राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण बुधवार 01 जनवरी 2025 वर्ष-7,अंक-305 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

आईआरसीटीसी ऐप और वेबसाइट ठप, तत्काल टिकट बुकिंग में आई परेशानी

-47 फीसदी उपयोगकर्ता वेबसाइट तक पहुंचने में रहे असमर्थ

नई दिल्ली। इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन (आईआरसीटीसी) ऐप और वेबसाइट को 31 दिसंबर यानी मंगलवार सुबह एक और आउटेज का सामना करना पड़ा। दिसंबर में यह तीसरी बार है जब आईआरसीटीसी ऐप और वेबसाइट को आउटेज का सामना करना पड़ा है। संयोग से ऐसा लगता है कि तीनों बार कटौती सुबह 9.50 बजे के आसपास हुई, जो तत्काल टिकट बुकिंग शुरू होने से 10 मिनट पहले है। इस कटौती के कारण टिकट बुक कराने वाले यात्रियों के लिए व्यवधान उत्पन्न हुआ है। उपयोगकर्ताओं ने आउटेज की शिकायत करने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया। डाउनडिटेक्टर के मुताबिक करीब 47 फीसदी उपयोगकर्ता वेबसाइट तक पहुंचने में असमर्थ थे, जबकि 42 फीसदी को ऐप के साथ समस्याओं का सामना करना पड़ा, और 10 फीसदी टिकट बुकिंग पूरी नहीं कर सके। डाउनडिटेक्टर के आगे के नंबरों से पता चला कि आउटेज, जो सुबह 10 बजे के आसपास शुरू हुआ, जिसके परिणामस्वरूप लॉगिन समस्याएं, शेड्यूल और किराए की खोज में कठिनाइयां और लेनदेन त्रुटियां हुईं। सुबह करीब 9.48 बजे तक किसी भी तरह की रुकावट की कोई खबर नहीं थी। आईआरसीटीसी का संदेश यह संकेत देता है कि साइट एक घंटे में वापस आ जानी चाहिए, लेकिन इससे उपयोगकर्ता उपलब्ध छोटी विंडो के दौरान तत्काल टिकट बुक करने से चूक सकते हैं। जब उपयोगकर्ताओं ने आईआरसीटीसी वेबसाइट पर लॉग इन किया तो उन्हें यह संदेश मिला। सभी साइट के लिए बुकिंग और कैंसिलेशन अगले एक घंटे तक उपलब्ध नहीं होगी। हुई असुविधा के लिए गहरा खेद है।

राहुल गांधी विपक्ष के नेता नहीं, बाउंसर की तरह कर रहे थे व्यवहार

-संसद में धक्का-मुक्की को लेकर बीजेपी सांसद सारंगी ने लगाए आरोप

नई दिल्ली।

बीजेपीप सांसद प्रतापचंद्र सारंगी ने एक बार फिर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की आलोचना करते हुए उनके व्यवहार को लोकसभा में विपक्षी नेता के पद के लिए उपयुक्त होने के बजाय बाउंसर बताया है। संसद में हाथापाई के बाद घायल सारंगी ने कहा कि वह अब तुलनात्मक रूप से बेहतर हैं और उन्हें 28 दिसंबर को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है। बता दें 19 दिसंबर की संसद में हुई धक्का-मुक्की की घटना को याद करते हुए सारंगी ने कहा कि यह तब हुआ जब हम सभी बीजेपी सांसद एक प्रवेश द्वार के पास खड़े थे, शांतिपूर्वक तख्तियां लिए हुए अंबेडकर के अपमान के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अचानक राहुल गांधी अपनी पार्टी के कुछ साथियों के साथ आए और लोगों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने लगे। वह लोकसभा में विपक्ष के नेता की तरह नहीं, बल्कि एक बाउंसर की तरह व्यवहार कर रहे थे। सारंगी ने दावा किया कि गेट के पास गांधीजी के लिए बिना किसी व्यवधान के गुजरने के लिए पर्याप्त जगह थी। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने सामने खड़े सांसद मुकेश राजपूत को धक्का दे दिया। राजपूत मेरे ऊपर गिर गए और मेरा सिर पत्थर जैसी वस्तु के कोने से टकराया, जिससे मैं घायल हो गया। उन्होंने कहा कि जब किसी ने उन्हें घटना की जानकारी दी तो राहुल गांधी मेरे पास आए लेकिन वह बिना कोई वास्तविक चिंता दिखाए तुरंत चले गए।

दिल्ली पुलिस ने अवैध रुप से रह रहे बांग्लादेशी मां-बेटे को किया गिरफ्तार

-2020 में पश्चिम बंगाल की सीमा से भारत में किया था प्रवेश

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने अवैध रूप से रह रहे दो बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। इनकी पहचान नईम खान और उसकी मां नजमा खान के रूप में हुई है। नईम बांग्लादेश के खुलना जिले के ग्राम सुंदर गुना का रहने वाला है। नईम ने 2020 में पश्चिम बंगाल की सीमा से भारत में प्रवेश किया था। मां-बेटा कटवारिया सराय में रहते हैं। पुलिस को 29 दिसंबर को गुप्त सूचना मिली कि एक संदिग्ध बांग्लादेशी नागरिक दिल्ली के पिप्पल चौक स्थित शास्त्री मार्केट में मौजूद है। सूचना पर पुलिस ने नईम को गिरफ्तार किया और वेरिफाई किया तो बांग्लादेशी होने का पता चला। नईम ने बताया कि उसके परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर थी, जिसके कारण वह स्कूल नहीं जा सका और भारत में अवैध रूप से प्रवेश किया है। मां नजमा भी 20 साल पहले बेनापोल सीमा से भारत आई थी और कटवारिया सराय में घरेलू काम करती थीं। पुलिस ने दोनों को हिरासत में लेकर बांग्लादेश डिपोर्ट कर दिया। पुलिस ने कहा कि वे अन्य अवैध प्रवासियों की पहचान के प्रयास कर रही है। यह कार्रवाई दक्षिण पश्चिम जिला पुलिस द्वारा दिल्ली में अवैध प्रवासियों की पहचान और उनका निष्कासन करने के लिए उठाए गए कदमों का हिस्सा है। इससे पहले दिल्ली में पकड़े गए 12 अवैध रोहिंग्याओं को लेकर साउथ ईस्ट दिल्ली के डीसीपी ने बताया कि सभी को डिटेंशन कैंप भेजा जाएगा। अवैध रूप से रह रहे रोहिंग्याओं को लेकर सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। इस साल 12 बांग्लादेशियों को पकड़ा है। भारत में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशियों पर दिल्ली पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है।

इसरो ने रचा इतिहास, अंतरिक्ष तकनीकी क्षेत्र में की बड़ी सफलता हासिल

-पहली बार 470 किमी ऊंचाई पर दो स्पेसक्राफ्ट के बीच डॉकिंग-अनडॉकिंग का किया प्रयोग

नई दिल्ली।

साल 2024 के आखिर में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने एक और ऐतिहासिक कदम बढ़ा दिया है और अंतरिक्ष तकनीकी के क्षेत्र में बड़ी सफलता हासिल की है। श्रीहरिकोटा से पीएसएलवी-सी60 रॉकेट द्वारा दो छोटे स्पेसक्राफ्ट लॉन्च किए गए है, जो इसरों के लिए महत्वपूर्ण साबित हुए हैं। यह पहली बार है जब इसरो ने धरती से 470 किलोमीटर की ऊंचाई पर दो स्पेसक्राफ्ट के बीच डॉकिंग और अनडॉकिंग का प्रयोग किया है। इन दोनों स्पेसक्राफ्ट को बहुत तेज गति से अंतरिक्ष में जोड़ने और फिर अलग करने का काम किया।

इस सफल प्रयोग के बाद भारत अब अमेरिका, रूस और चीन के साथ स्पेस डॉकिंग और अनडॉकिंग की तकनीक में शामिल हो गया है। इसरो का यह मिशन स्पेस डॉकिंग एक्सपेरिमेंट के नाम से है और इस सफलता ने भारत को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष समुदाय में एक प्रमुख स्थान दिलाया है। इसके साथ ही इसरो ने इस डॉकिंग सिस्टम का पेटेंट भी हासिल कर लिया है, क्योंकि आमतौर पर दुनिया के प्रमुख अंतरिक्ष संस्थान इस तकनीक के बारें में ज्यादा जानकारी साझा नहीं करते। ऐसे में इसरो को अपनी खुद की डॉकिंग प्रणाली विकसित करनी पड़ी है।

स्पेसडेक्स मिशन में दो स्पेसक्राफ्ट शामिल थे, जिनका नाम टारगेट और चेजर रखा गया है। इन दोनों का वजन 220 किलोग्राम है। पीएसएलवी-सी60 रॉकेट ने इन दोनों स्पेसक्राफ्ट को 470 किलोमीटर की ऊंचाई पर अंतरिक्ष में भेजा। इसके बाद इन दोनों स्पेसक्राफ्ट ने अलग-अलग दिशाओं में उड़ान भरी फिर एक-दूसरे के साथ डॉकिंग और अनडॉकिंग की प्रक्रिया पूरी की।

यह मिशन एक तकनीकी सफलता ही नहीं है, बल्कि भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम की महत्वाकांक्षाओं के लिए एक बड़ा कदम भी है। इस तकनीक का उपयोग भविष्य में भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन की स्थापना और चंद्रयान-4 जैसे मिशनों के लिए भी किया जाएगा। इसरो का लक्ष्य अब एक स्वदेशी अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करने का है और इसके लिए डॉकिंग-अनडॉकिंग तकनीक बहुत अहम है।

स्पेसडेक्स मिशन की सफलता भारतीय चंद्र मिशन चंद्रयान-4 के लिए भी बेहद अहम है। चंद्रयान-4 मिशन में डॉकिंग और अनडॉकिंग की इस तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा। इसरो के मुताबिक चंद्रयान-4 की सफलता स्पेसडेक्स के परिणामों पर निर्भर करेगी, क्योंकि यह मिशन एक बहु-चरणीय प्रक्रिया के तहत लॉन्च किया जाएगा। इस तकनीक की मदद से इसरो अंतरिक्ष जटिल ऑपरेशंस, जैसे कि स्पेस स्टेशन के निर्माण, सैटेलाइट सर्विसिंग, इंटरप्लेनेटरी मिशन, और मानव मिशन के लिए तैयार करेगा।

इसके अलावा जब अंतरिक्ष मिशन के विभिन्न चरणों में एक साथ कई उपग्रहों या स्पेसक्राफ्ट को लॉन्च करना होता है, तो इस डॉकिंग तकनीक की अहम भूमिका होती है।

डल्लेवाल का आज 36वें दिन भी जारी है अनशन, किसानो से चर्चा करेगा सुप्रीम कोर्ट का पैनल

नई दिल्ली।

आज सुप्रीम कोर्ट आमरण अनशन पर बैठे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल के स्वास्थ्य को लेकर सुनवाई करने वाला है। डल्लेवाल पिछले 35 दिनों से भूख हड़ताल कर रहे हैं। उन्होंने अस्पताल में इलाज करवाने से इनकार कर दिया है। पिछली सुनवाई में भी सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब सरकार का फटकार लगाते हुए कहा था कि उन्हें किसी तरह इलाज के लिए मनाया जाए।

वहीं सुप्रीम कोर्ट द्वारा बनाया गया पैनल भी 3 जनवरी को किसानों से बात करने वाला है। सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट के पूर्व जज नवाब सिंह की अध्यक्षता में पैनल बनाया था। पैनल ने किसानों को वर्चुअल मीटिंग के लिए न्योता भेज दिया है। पैनल में हरियाणा के पूर्व डीजीपी बीएस संधू, कृषि एक्सपर्ट देविंदर शर्मा, प्रोफेसर रंजीत सिंह घुम्मन और पंजाब कृषि विश्वविद्यालय लुधियाना के प्रोफेसर डॉ. सुखपाल सिंह शामिल हैं।

किसान प्रतिनिधियों ने कन्फर्म किया है कि उन्हें 3 जनवरी को बातचीत करने का न्योता मिला है। कमेटी बनाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि किसानों से बात करके उनकी समस्याओं को सुना जाए और उनसे हाइवे के पास से ट्रैक्टर, ट्रॉली और टेंट हटाने का आग्रह किया जाए। बेंच ने कहा था, हमें लगता है कि किसानों को विश्वास में लेना सबसे ज्यादा जरूरी है। बिना देरी के शंभू बॉर्डर और हाइवे से किसानों को हटाने के लिए कमेटी जो भी सुझाव देगी उस पर गंभीरता से विचार किया जाएगा। इससे आम जनता को भी बड़ी राहत मिलेगी।

इसके अलावा किसानों को भी राजनीतिक दलों से दूरी बनाकर रखनी चाहिए।बता दें कि सोमवार को सुबह 7 बजे से शाम के 4 बजे तक पंजाब में कई जगहों पर बंद काअसर दिखाई दिया। वंदेभारत सहित 172 ट्रेनों को रद्द कर दिया गया। वहीं 232 ट्रेनें प्रभावित हुईं। बड़ी संख्या में दुकानें और कारखाने भी बंद रहे। केकेएम और एसकेएम एनपी ने भी इस बंद का समर्थन किया। केकेयू के प्रेसिडेंट दर्शन पाल सिंह ने कहा. हमारे किसानों ने भी 12 जिलों में बंद का समर्थन किया। हम शंभू बॉर्डर और खनौरी बॉर्डर पर बैठे किसानों की मांगों का समर्थन करते हैं।

महाकुंभ मे जारी होगी, घर वापसी की हिंदू संहिता

2025 में गैर हिंदुओं की घर वापसी का अभियान

लखनऊ ।

हिंदू संगठनों द्वारा महाकुंभ में एक नई हिन्दू आचार संहिता प्रस्तुत की जाएगी। 25 से 27 जनवरी के बीच महाकुंभ में उपस्थित साधु संत इस हिंदू आचार संहिता पर अपनी मुहर लगाएंगे। काशी विदत परिषद के नेतृत्व में देश के प्रमुख साधु संतों से विचार विमर्श कर 360 पेज की आचार संहिता को देश भर में लागू किया जाएगा। हिंदू आचार संहिता में हिंदू धर्म छोड़कर अन्य धर्म को अपनाने वालों की घर वापसी के नियमों को काफी सरल बनाया गया है। समाज में भेदभाव खत्म करने और जाति विहीन समाज का निर्माण करना इसका मुख्य आधार होगा। एक देश और एक चुनाव की तरह एक देश और सभी हिंदू जैसी परिभाषा को सामने रखकर घर वापसी का अभियान शुरू किया जाएगा। विद्त परिषद के महामंत्री तथा बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के धर्मशास्त्र विभाग के प्रोफेसर रामनारायण द्विवेदी ने इसे तैयार किया है। उन्होंने कहा कि यह समय की जरूरत है। उन्होंने कहा कि परिषद ने देबल स्मृति और पराशर स्मृति को नई हिंदू आचार संहिता का आधार बनाया है। नई हिंदू आचार संहिता में जल और तुलसी को हिंदू धर्म आस्था का मुख्य आधार बनाया गया है। मन से हिंदू होने का संकल्प कराकर हिंदू धर्म में वापसी का अभियान चलाया जाएगा। परिषद का दावा है, उसने 5 साल के अध्ययन के पश्चात नई हिंदू आचार संहिता तैयार की है। इसमें श्रीमद् भागवत गीता, रामायण, महाभारत और पुराणों को भी आधार बनाया गया है। 2025 के महाकुंभ में सभी साधु संतों की सहमति से इसे अभियान के रूप में देशभर में लागू किया जाएगा। ताकि गैर हिंदुओं की हिंदू धर्म में वापसी हो। जाति विहीन हिंदू समाज की संरचना हो सके।

स्पैडेक्स मिशन के सफल प्रक्षेपण पर केंद्रीय मंत्री ने जताई खुशी

भारत ने फिर दिखाया दम, दो अंतरिक्ष यान किए लॉन्च

नई दिल्ली।

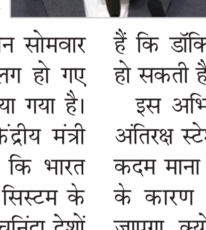

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने दो अंतरिक्ष यान लॉन्च किए हैं जो भविष्य के अंतरिक्ष मिशनों के लिए डॉकिंग एक महत्वपूर्ण तकनीक का प्रदर्शन करने में मदद करेंगे। इसरो के अंतरिक्ष यान सोमवार देर रात सफलतापूर्वक एक दूसरे से अलग हो गए और उन्हें वांछित कक्षा में स्थापित कर दिया गया है। स्पैडेक्स मिशन के सफल प्रक्षेपण पर केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने खुशी जताई। उन्होंने कहा कि भारत स्वदेशी रूप से विकसित भारतीय डॉकिंग सिस्टम के जरिए अंतरिक्ष डॉकिंग हासिल करने वाले चुनिंदा देशों की सूची में शामिल होने वाला चौथा देश बन गया है।

इसरो प्रमुख एस सोमनाथ ने कहा कि रॉकेट ने 15 मिनट की उड़ान के बाद उपग्रहों को 475 किलोमीटर की वृत्ताकार कक्षा में स्थापित कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि रॉकेट ने दोनों अंतरिक्ष यान को सही कक्ष में स्थापित कर दिया है और स्पैडेक्स उपग्रह एक के पीछे एक चले गए और समय के साथ यह और अधिक दूरी तय करेंगे। यह करीब 20 किमी दूर तक जाएगा जिसके बाद इन्हें मिलाने और डॉकिंग प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। हम आशा करते हैं कि डॉकिंग प्रक्रिया सात जनवरी तक प्रक्रिया पूरी हो सकती है।

इस अभियान को इसरो द्वारा 2035 तक खुद का अंतिरक्ष स्टेशन स्थापित करने से पहले का एक अहम कदम माना जा रहा है। पीएसएलवी सी-60 अभियान के कारण भारत एक विशिष्ट क्लब में शामिल हो जाएगा, क्योंकि वह इस महत्वपूर्ण लक्ष्य को कुछ दिन में हासिल कर लेगा। पीएसएलवी रॉकेट की लंबाई 44.5 मीटर है और इसके जरिये दो अंतरिक्ष यान-स्पेसक्राफ्ट ए (एसडीएक्स01) और स्पेसक्राफ्ट बी (एसडीएक्स02) को भेजा गया, जिसमें प्रत्येक का वजन 220 किलोग्राम है।

कोविड की पाबंदियों के चलते कांग्रेस ने नहीं दी थी प्रणब मुखर्जी को श्रद्धांजलि

-पूर्व राष्ट्रपति के बेटे अभिजीत ने बहन की आलोचना का दिया जवाब

कोलकाता।

पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के बेटे अभिजीत मुखर्जी ने अपनी बहन शर्मिष्ठा मुखर्जी की कांग्रेस पार्टी की आलोचना का जवाब दिया। उन्होंने कहा कि उनके पिता को सार्वजनिक जीवन में देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद समेत जो कुछ हासिल हुआ, वो कांग्रेस की बदौलत हुआ है। पूर्व सांसद मुखर्जी ने यह भी कहा कि उनके पिता का निधन कोविड काल में हुआ था और ऐसे में उस समय की कई पाबंदियों के चलते कांग्रेस कार्य समिति की बैठक बुलाकर श्रद्धांजलि नहीं दी गई थी, हालांकि बाद में कार्य समिति ने श्रद्धांजलि अर्पित की थी।

अभिजीत मुखर्जी ने कहा कि कांग्रेस भी रैली करना चाहती थी लेकिन ऐसा नहीं कर सकी। हालांकि, पीएम और राहुल गांधी आ गए। शर्मिष्ठा मुखर्जी ने दिल्ली में पूर्व पीएम मनमोहन सिंह के स्मारक के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के प्रस्ताव का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि जब उनके पिता का निधन हुआ तो कांग्रेस कार्य समिति ने शोक सभा नहीं की थी। उन्होंने कहा कि एक वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने मुझे बताया कि भारत के पूर्व राष्ट्रपतियों के लिए शोक सभा बुलाने की कोई परंपरा नहीं है। यह तर्क पूरी तरह से निराधार है। मुझे अपने पिता की डायरी से पता चला कि सीडब्ल्यूसी ने पूर्व राष्ट्रपति के आर नारायण के निधन पर एक शोक सभा आयोजित की थी। नारायणन और मेरे पिता ने स्वयं शोक संदेश का मसौदा तैयार किया। अभिजीत मुखर्जी ने कहा कि कांग्रेस ने मेरे पिताजी को बनाया, इंदिरा जी ने बनाया। बाद में बाद राजीव गांधी, पी वी नरसिम्हा राव और मनमोहन सिंह के समय उन्हें जिम्मदारी मिली। पिताजी जो बने, कांग्रेस की वजह से बने थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने उनके पिता को राष्ट्रपति पद के लिए उम्मीदवार नामित किया था। अभिजीत वर्ष 2021 में कांग्रेस छोड़कर तृणमूल कांग्रेस में शामिल हो गए थे, हालांकि कुछ महीने पहले उन्होंने कांग्रेस में वापसी की इच्छा जताई थी। उन्होंने कहा कि मनमोहन सिंह जैसे व्यक्ति के निधन के बाद विवाद नहीं होना चाहिए था।

वायनाड भूस्खलन को गंभीर आपदा घोषित करने पर प्रियंका गांधी ने जताई खुशी

प्रियंका गांधी ने गृह मंत्री अमित शाह से तत्काल धन राशि की मांग की

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने हाल ही में वायनाड में हुए भूकंप को गंभीर आपदा के रूप में घोषित कर दिया है। इस घटना के बाद कांग्रेस महासचिव और वायनाड से लोकसभा सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने खुशी जताई है। गृह मंत्रालय ने केरल सरकार को भूकंप के वर्गीकरण की मान्यता दी है, लेकिन अभी तक पुनर्निर्माण के लिए वित्तीय सहायता की घोषणा नहीं की गई है। प्रियंका गांधी ने गृह मंत्री अमित शाह से तत्काल धन राशि की मांग की है ताकि पुनर्वास के लिए जरूरी सहायता पहुंचाई जा सके। उन्होंने यह भी जताया कि यदि दंड प्राप्त करने वाले लोगों को अच्छे से मदद पहुंचाने के लिए पर्याप्त धनराशि पहुंचाई जाए, तो वह सभी धन्य होंगे। पिछले महीने प्रियंका ने केरल के सांसदों के साथ गृह मंत्री से मिलकर भूकंप प्राप्त करने वालों के लिए तत्काल वित्तीय सहायता और बुनियादी सुविधाओं की मांग की थी। उन्होंने वायनाड के लोगों के साथ दिखाए गए सहानुभूति के संदेश को बढ़ावा दिया और पुराने ढांचे को बहाल करने का भी आग्रह किया था। केरल के सांसदों ने भी केंद्र सरकार से पीड़ितों के लिए तेजी से धनराशि जारी करने की मांग की है, ताकि उन्हें जल्दी से जल्दी मदद पहुंचाई जा सके। भूकंप से प्रभावित क्षेत्रों में पुनर्निर्माण के लिए वित्तीय सहायता पहुंचाने के लिए सरकार से अग्रह किया गया है। इस समय महत्वपूर्ण है कि प्रत्येक व्यक्ति इस आपदा के प्राभाव से उबरने के लिए साथ मिलकर काम करें और तत्काल मदद पहुंचाने में सहायता करें। इस संकट के समय में, सहानुभूति और सहयोग की भावना हमें एक साथ खड़े होकर आगे बढ़ने में सहायता करेगी।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नव वर्ष 2025 पर संकल्प व लक्ष्य निर्धारित करें

(लेखक - नरेन्द्र भारती)

जीवन ठहर गया है। प्रकृति एक ऐसी देवी है जो भेदभाव नहीं करती प्रकृति के बिना मानव प्रगति नहीं कर सकता,प्रत्येक मानव को बराबर धूप व हवा व पानी दे रही है ।मानव कृतध्न बनता जा रहा है ।मानव ने स्वार्थो की पूर्ति के लिए प्रकृति को लहूलुहान किया है ।आज प्रकृति ने अपना बदला ले लिया है। तबाही की इबारत लिख दी है ।मानव का अहम मिटाकर रख दिया है ।गलतफहमियों में जी रहे मानव आज प्रकृति के आगे नतमस्तक हो चुकें है ।अतीत में की गए कुकर्मो का पश्चाताप कर रहे है।

नव वर्ष 2025 में नए संकल्प व लक्ष्य निर्धारित करने होगें ।नए साल में संकल्प लेने होगें कि आने वाला जीवन सुखमय रहे। भविष्य सुरक्षित रहे ।नया साल सबके लिए सुखमय हो और समृद्धि लेकर आए ।सपनों को साकार करें ।गलतियों को सुधारें ।नई उर्जा के साथ राहों को सरल बनाएं ।जो बीत गया उसे भूल जाएं अब नए काम को अंजाम देना होगा। नव वर्ष 2025 का आगाज हो चुका है। साल 2024 बीत चुका है ।2024 में प्रकृति ने अपना रौद्र रुप दिखाकर मानव से दानव बनते जा रहे इंसान को औकात बता दी है कि अभी भी संभलने का समय है ।अगर अब भी गलतियां नहीं सुधारी तो अंजाम भुगतने के लिए तैयार रहे। कुदरत का कैसा फरमान,पिंजरे में कैद हुआ इंसान?आज कुदरत के कानून के आगे मानव बेबस हो गया है ।प्राणदायी प्रकृति ने इंसान को आईना दिखा दिया है ।प्रकृति की वेदना को संवेदनहीन व धनलिप्सा में डूबा मानव दरकिनार कर रहा है ।मगर प्रकृति ने अंधे हो चुके मानव की आंखे खोल दी है ।मानव से दानव बन चुके कलयुगी मानव को संयम व सबक सिखा दिया है। जीवन ठहर गया है। प्रकृति एक ऐसी देवी है जो भेदभाव नहीं करती प्रकृति के बिना मानव प्रगति नहीं कर सकता,प्रत्येक मानव को बराबर धूप व हवा व पानी दे रही है ।मानव कृतध्न बनता जा रहा है ।मानव ने स्वार्थो की पूर्ति के लिए प्रकृति को लहूलुहान किया है ।आज प्रकृति ने अपना बदला ले लिया है। तबाही की इबारत लिख दी है ।मानव का अहम मिटाकर रख दिया है ।गलतफहमियों में जी रहे मानव आज प्रकृति के आगे नतमस्तक हो चुकें है ।अतीत में की गए कुकर्मो का पश्चाताप कर रहे है ।प्रकृति ने मानव को समय≤ पर आगाह किया मगर इंटरनैट की दुनिया के जाल में फंसा मानव खुद को प्रकृति से बड़ा माने लगा था उसे यह आभास नहीं था कि प्रकृति सबसे बड़ी गुरु है ।प्रकृति ने बहुत कुछ सहा है चारों तरफ गंदगी है वातावरण अशुद्ध हो गया है ।वातवरण कि शुद्धि के लिए प्रकृति मजबूर हो गई और मगरुर हो चुके इंसान का गुरुर तोड़ कर रख दिया है। अनजाने में हुई भूल को माफ किया जा सकता है मगर जानबूझकर की गई गलतियों की सजा प्रकृति ने मानव को दे दी है। मानव को जीवन और मौत की परिभाषा सिखा दी है ।यह प्रलय की आहट है। कुदरत ने भटक चुके मानव को पाप और पुण्य का अंतर समझा दिया है ।प्रकृति का एक संदेश है भटक चुके व अहंकारी इंसान के लिए जो कुदरत से खिलवाड़ करता था ।लॉकडाउन प्रकृति के लिए वरदान गया था और मानव के लिए अभिशाप बन गया था ।मानव ने प्रकृति के दामन को मैला करने की गुस्ताखी करके अपने पैरों पर खुद ही कुल्हाडी मारी है ।प्रकृति को अपने खिलाफ होने का निमंत्रण उिया है ।किए की सजा को भुगतना ही पड़ेगा। आज हवा में प्रदूषण नहीं है वातावरण शुद्ध हो गया था पक्षियों व जंगली जानवरों के झुंड शहरों में चहलकदमी कर रहे थे क्योंकि आज मानव पिंजरे में कैद हो गया है ।खुली हवाओं में सांस ले रहे है ।आसमान साफ है रात को तारे टिमटमाते दिख रहे है ।बर्फ के पहाड़ दिख रहे है ।नदियां,झरने और तालाबों का पानी साफ हो चुका था निडर होकर जंगल के राजा शेर व अन्य हाथी,हिरन व भालू सड़कों पर आराम कर रहे थे लॉकडाउन से कानफोडू बसों व रेलों के हार्न बंद हो चुके थे ।करोडों के हिसाब से प्रदूषण फैलाने वाले बाहनों के पहिए थम गए थे प्रकृति क्या नहीं कर सकती व स्वतत्रं है ।मानव ने उसे बेड़ियों में बांधने की नापाक कोशिशें की है मगर प्रकृति ने रौद्र रुप दिखाया तो मानव एक जगह घर में स्थिर हो गया था और अपने भाग्य को कोस रहा था एक मिनट बरबाद न करने वाला मानव आज चुपचाप प्रकृति की मार झेल रहा ह था । चैबीसों घंटे माया के लिए भागदौड़ करने वाला व व्यस्त रहने वाला इंसान चाहरदीवारी में आराम से बैठ गया था ।प्रकृति आज खुश थी कि उसे जख्म देने वाला बिलख रहा है सिसक रहा है बाहर जाने को आतूर है छटपटाह रहा है, घुट रहा है मगर अभी समय लगेगा ।आज मानव स्वार्थ की पट्टी के कारण अंधा होता जा रहा है ।गाय पर अत्याचार हो रहा है ।मानवीय मूल्यों का पतन होता जा रहा है ।मानव आज कैदी बन गया है ।प्रकृति के जख्म नासूर बन चुके है। जख्म रिसते जा रहे है ।जर्रा-जर्रा जख्मी है जख्मों के दाग साक्षात प्रकृति के शरीर पर दिया रहे है। इसके लिए मानव ही जिम्मेवार है ।प्रकृति का सीना छलनी करने वालों अभी कुदरत तुम्हें खून के आंसू रुलाएगी ।पल-पल का हिसाब मांगेगी ।वजूद खत्म कर देगी ।चंद सिक्कों व कागज के टुकडों की चाहत में नदियों में खनन किया जा रहा है ।जीव-जन्तुओं को मारा जा रहा है। पहड़ों को काटकर आशियाने व बहुमंजिला इमारतें बना रहा है ।हजारों जन्तू मारे जा रहे है ।प्रकृति के आगे आज मानव के कर्मो का बही खाता खुल चुका है ।अब कुदरत खुद ही फैसला करेगी ।दर्द कैसा होता है पता चल जाएगा कि दूसरो को जख्म देना

कितना असान होता है जब खुद जख्मी हो जाओगें तब होश ठिकाने आ जाएगें आ रहे है। मानव भी प्रकृति से छेड़छाड़ करने से बाज नहीं आते जब प्रकृति अपना बदला लेती है तो नेस्तनाबू कर देती है ।धराशायी कर देती है ।पल भर में मिटटी में मिला देती है ।चिथडे उड़ा देती है जो कुदरत के विरुद्ध चलता है ।सबक सिखा देती है कि अभी भी समय है संभल जा मानव नही तो मौत के भीख मांगने के लिए मजबूर कर दूंगी। इनसान पशु से भी बदतर होता जा रहा है ।क्योंकि यदि पशु को एक जगह खूंटे से बांध दिया जाए,तो वह अपने आप को उसी अवस्था में ढाल लेता है ।जबकि मानव परिस्थितियों के मुताबिक गिरगिट की तरह रंग बदलता है। देश में कभी भूकंप, कभी सुनामी, जैसी प्राकृतिक आपदाएं अपना जलवा दिखाती है तो कभी बाढ़ का रौद्र रुप जिदंगियां लीलता है। लाखोंझारों लोग मारे जाते है। तब लोगों को होश आता समय≤ पर भीषण त्रासदियां होती रहती है मगर हम आपदाओं से कोई सबक नहीं सीखते ।हर त्रासदी के बाद बचाव पर चर्चा होती है मगर कुछ दिनो बाद जब जीवन पटरी पर चलने लग जाता है तो इन बातों को भूला दिया जाता है। अगर बीती त्रासदियों से सबक सीखा जाए तो आने वाले भविष्य को सुरक्षित कर लिया जा सकता है ।कहते है कि प्राकृतिक आपदाओं को रोक तो नहीं सकते परन्तु अपने विवेक व ज्ञान से अपने आप को सुरक्षित कर सकते है। मगर हादसों व आपदाओं से न तो लोग सबक सीखते है ।मानव आज लापरवाही से जंगलों को बेरहमी से काट रहा है में आग लगा रहा है उस आग में हजारों जीव-जन्तु जलकर राख हो रहे हैं ।जंगली जानवर शहरों की ओर भाग रहे हैं ,जबकि सदियां गवाह है कि शहरों व आबादी वाले इलाकों में कभी नहीं आते थे ,मगर जब मानव ने जानवरों का भोजन खत्म कर दिया ।जीव-जन्तओं को काट खाया तो जंगली जानवर भूख मिटाने के लिए आबादी का ही रूख करेंगें ।नरभक्षी बनेगें । आज प्रकृति से छेडछाड हो रही है ।नदियों को प्रदूषित किया जा रहा है ।प्रकृति के पास हर चीज का लेखा -जोखा है ।कुदरत की चक्की जब चलती है तो वह पाप व पापी को पीस कर रख देती है ।यह अटल सत्य है। कुदरत की लाठी जब पडती है तो उसकी आवाज नहीं होती। प्रकृति इस धरा को अनमोल खजाना लुटाया है ।प्रकृति के नियमों के खिलाफ जानें की जिसने भी हिम्मत की वह औंधे मुंह गिरा है ।प्रकृति ने मानव को उसकी औकात से रुबरु करवा दिया है कि निजि स्वार्थो तक ही उसकी सोच सीमित होकर रह गई है ।प्रकृति की उपेक्षा करना छोड़ देनी चाहिए यही प्रकृति के प्रकोप से बचने का एकमात्र सूत्र है।

संपादकीय

मौत के बोरवेल

ऐसे समय में जब देश-दुनिया नये साल के जश्न में डूबने जा रही है मध्यप्रदेश व राजस्थान में खुले बोरवेल में गिरने से हुई दो बच्चों की मौत विचलित करती है। राजस्थान के दोसा जिले और मध्यप्रदेश के गुना की घटनाएं पहली बार नहीं हुई हैं। गाहे-बगाहे ऐसी खबरें पूरे देश से आती हैं। यह सोचकर ही मन सिहर उठता है कि कोई बच्चा कैसे एक अंधी सुरंग में भूखे-प्यासे, अपर्याप्त ऑक्सीजन व बिना हिले-डुले कुछ दिन मौत की प्रतीक्षा करता होगा। भय व घुप्प अंधेरे में बच्चा किन मानसिक व शारीरिक यातनाओं से गुजरता होगा, सोचकर भी डर लगता है। लेकिन फिर भी हमारा संवेदनहीन समाज व लापरवाह तंत्र इस त्रासदी को गंभीरता से नहीं लेता। जिस बोरवेल को खुदवाने में लाखों रुपये खर्च होते हैं, उसका मुंह बंद करने के लिये चंद रुपये खर्च करने में लोग आपराधिक लापरवाही दिखाते हैं। राजस्थान के कोटपुतली में बोरवेल में गिरी तीन साल की बच्ची को एक सप्ताह बाद भी न निकाला जाना तंत्र की विफलता को दर्शाता है। निस्संदेह, यह अभियान जटिल बताया जाता है और बारिश ने राहत कार्य में बाधा डाली, लेकिन शुरुआत में प्रशासन की शिथिलता पर सवाल उठे हैं। ऐसे अभियानों में राष्ट्रीय आपदा निरोधक बल तथा स्थानीय सुरक्षा बलों की नाकामी गाहे-बगाहे उजागर होती रहती है। निस्संदेह, ऐसे संकटों में तत्काल कार्रवाई और राहत- बचाव कार्य को आधुनिक तकनीक से शुरू करने की जरूरत महसूस की जाती रही है। यही वजह है कि आए दिन होने वाले बोरवेल हादसों के मद्देनजर देश की शीर्ष अदालत ने वर्ष 2010 में इस बाबत दिशानिर्देश जारी किए थे ताकि ऐसे हादसों को टाला जा सके। जिसमें बोरवेल के चारों ओर बाड़ लगाने तथा मजबूत बोल्ट के साथ स्टील कवर लगाने के निर्देश दिए गए थे। इसके बावजूद आए दिन बोरवेल में बच्चों के गिरने के मामले सामने आ रहे हैं। जाहिर किसान व स्थानीय प्रशासन सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की अनदेखी कर रहे हैं। अन्यथा ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति न होती। निस्संदेह, देश के विभिन्न भागों में बोरवेल हादसों का सामने आना जहां निगरानी करने वाले विभागों की लापरवाही को दर्शाता है, वहीं उन लोगों के आपराधिक कृत्य को भी दर्शाता है, जो बोरवेल का मुंह खुला छोड़ देते हैं। वहीं हादसे हमारे समाज में चेतना के अभाव को भी दर्शाते हैं कि खुले बोरवेल के खिलाफ आम लोगों के स्तर पर आवाज नहीं उठायी जाती। यह भी उल्लेखनीय है कि सिंचाई विभाग राज्यों का विषय होने के कारण इसमें केंद्र सरकार का दखल नहीं हो पाता। एक अनुमान के अनुसार देश में करीब पौने तीन करोड़ बोरवेल हैं। जिसमें से बड़ी संख्या में सूख चुके हैं। जिन्हें गैरजिम्मेदार लोगों द्वारा खुला छोड़ दिया जाता है, जो कालांतर हादसे की वजह बन जाते हैं। विडंबना यह भी है कि एनडीआरएफ द्वारा चलाये जाने वाले ऐसे राहत व बचाव के दो तिहाई अभियान नाकाम रहते हैं। दरअसल, सभी राज्यों में ऐसे मामलों में बच्चों की जान बचाने से जुड़े सुरक्षा उपाय हर जिले के अधिकारियों को एक मैनुअल के रूप में दिए जाने चाहिए।

नववर्ष है कल की रचनात्मक तस्वीर के रेखांकन का

(लेखक- ललित गर्ग)

नववर्ष मुड़कर एक बार अतीत को देख लेने एवं भविष्य को बुनने का स्वर्णिम अवसर। क्या खोया और क्या पाया इस गणित को विश्लेषित करने एवं आने वाले कल की रचनात्मक तस्वीर के रेखांकन का प्रेरक क्षण। क्या बनाना है और क्या मिटाना है, इस अन्वेषणा में संकल्पों की सुरक्षा पंक्तियों का निर्माण करने के लिये अभिप्रेरित करने की चौखट है- नववर्ष। 'आज', 'अभी', 'इसी क्षण' को पूर्णता के साथ जी लेने के जागृति का शंखनाद है नववर्ष। बीते कल का अनुभव और आज का पुरुषार्थ ही भविष्य का भाग्य रच सकता है इसीलिये नववर्ष के उत्सव की प्रासंगिकता को नकारा नहीं जा सकता। इसीलिये वर्ष 2024 की निराशाओं, असफलताओं एवं नाउम्मीदों पर पश्चाताप करने की बजाय उम्मीद, आशा एवं जिजीविषा को जीवंत करें। भले ही पछतावा जीवन का एक ऐसा सत्य है, जिसे नकारा नहीं जा सकता। हालांकि हमें यह सलाह दी जाती है कि अतीत में क्या हुआ, क्या खोया एवं क्यों संकल्प पूरे नहीं हुए, इस पर पछताना ठीक नहीं। बीती बातों को याद करके दुखी होने से केवल मानसिक तनाव, निराशा एवं असंतोष ही उत्पन्न होगा। फिर भी, हम पछतावे को हमारी जीवन यात्रा का अहम हिस्सा मानते हुए नववर्ष का स्वागत नये उजालों से करते हुए इसे प्रेरणा पर्व बनाये। नए की स्वीकृति के साथ पुराने को अलविदा कहने की इस संधिबेला में किंपलिंग की विश्व प्रसिद्ध पंक्ति याद आ रही है-'पूर्व और पश्चिम कभी नहीं मिलते।' पर मैं देख रहा हूं कि पुराना और नया मिलकर संवाद स्थापित कर रहे हैं। जाता हुआ पुराना वर्ष नये वर्ष के कान में कह रहा है, 'मैंने आंधियाँ अपने सीने पर झेली हैं, तू तूफान झेल लेना, पर मन के विश्वास को टूटने मत देना, संकल्प के दीपक को बुझाने मत देना।' नये भारत के इक्कीसवीं शताब्दी के इस रजत जयन्ती वर्ष में इसी विश्वास को जीवंतता देने के लिये अपनी अनुकरणीय योजनाओं के साथ देश एवं दुनिया में सक्रिय होना है और अनूठा करना है। उसके लिये विश्वास एवं संकल्प वे छोटी-सी किरणें हैं, जो सूर्य का प्रकाश भी देती है और चन्द्रमा की ठण्डक भी। और सबसे बड़ी बात, वह यह कहती है कि 'अभी सभी कुछ समाप्त नहीं हुआ। अभी भी सब कुछ ठीक हो सकता है।' मनुष्य मन का यह विश्वास कोई स्वप्न नहीं, जो कभी पूरा नहीं होता। इस तरह का संकल्प कोई रणनीति नहीं है, जिसे कोई वाद स्थापित कर शासन चलाना है। यह तो इंसान को इन्सान बनाने के लिए ताजी हवा की खिड़की है। जाते हुए वर्ष को अलविदा कहते हुए नए वर्ष की दस्तक आह्वान कर रही है कि अतीत की भूलों से हम सीख लें और भविष्य के प्रति नए सपने, नए संकल्प बुनें। अतीत में जो खो दिया उसका मातम न मनाएं। हमारे भीतर अनन्त शक्ति का स्रोत बह रहा है। समय का हर टुकड़ा विकास एवं सार्थक जीवन का आईना बन सकता है। हम फिर से वह सब कुछ पा सकते हैं, जिसे अपनी दुर्बलताओं, विसंगतियों, प्रमाद या आलस्यवश पा नहीं सकते थे। मन में संकल्प एवं संकल्पना जीवंत बनी रहना जरूरी है। हर बार संकल्प पूरे हों, यह बिल्कुल जरूरी नहीं, क्योंकि जज्बा तब तक लोहा भर है, जब तक मन में दृढ़ता का बसेरा न हो। दृढ़ता आए तो यही जज्बा इस्पात बन जाता है। इसी जज्बे के साथ नये भारत के निर्माता समस्त विश्व के लोगों में एक दूसरे के प्रति विश्वास की भावना उत्पन्न करने, अच्छे नागरिकों का निर्माण करने, समस्त मानवता को मित्रता, भाई-चारे और विश्वास में बांधने के लिये तत्पर है। नैतिक एवं सौम्य गुणों को बढ़ावा देना, परोपकार, जनसेवा एवं समाज उत्थान के लिये व्यापक योजनाओं को आकार देने के लिये अग्रसर हैं, जिन्हें नये वर्ष में आसमानी ऊंचाई देने की प्रतिबद्धता है। दुनिया में कुछ ही ऐसे भाग्यशाली लोग होते हैं, जिनके जीवन में पछतावा नहीं होता या बहुत कम होता है, क्योंकि वे जीवन को अपने तरीके से जीते हैं। युवावस्था में जीवन की गति तेज होती है। तब इतनी सारी चुनौतियां सामने होती हैं और इतने सारे विकल्प कि आगे बढ़ने की कोशिश में पछताने का वक्त नहीं मिलता। लेकिन जैसे-जैसे हम बूढ़े होते हैं और जीवन की गति धीमी होती जाती है, हम अतीत की सफलताओं-असफलताओं, हर्ष-विषाद, सुख-दुख, उन्नति-अवनति आदि चीजों पर सोचने लगते हैं। यह समय आत्मनिरीक्षण का होता है, जिसमें हम अपने जीवन की यात्रा और उसके अनुभवों पर ध्यान केंद्रित करते हैं। भीष्म पितामह जैसी शख्सियत को भी मृत्यु शैय्या पर पछतावा था कि उन्होंने अधर्म का साथ दिया। जीवन भर के उनके अच्छे कर्म उस समय याद नहीं आ रहे थे, और वह अपने एक निर्णय के कारण अपने जीवन के अंतिम क्षणों में पछता रहे थे। लेकिन हमें पछतावे से जीवन को धुंधलाना नहीं हैं, बल्कि नये संकल्पों से आगे बढ़ना है।

आप अपनी जिंदगी किस तरह जीना चाहते हैं? यह तय होना जरूरी है, आखिरकार जिंदगी है आपकी! दरअसल, जीवन एक व्यवस्था है। ऐसी व्यवस्था, जो जड़ नहीं, चेतन है। स्थिर नहीं, गतिमान है। इसमें लगातार बदलाव भी होने है। जिंदगी की अपनी एक फिलासफी है, यानी जीवन-दर्शन। सनातन सत्य के कुछ सूत्र, जो बताते हैं कि जीवन की अर्थवत्ता किन बातों में है। ये सूत्र हमारी जड़ों में हैं-पुरातन ग्रंथों में, हमारी संस्कृति में, दादा-दादी के किस्सों में, लोकगीतों में। जीवन के मंत्र ऋचाओं से लेकर संगीत के नाद तक समाहित है। हम इन्हें कई बार समझ लेते हैं, ग्रहण कर पाते हैं तो कहीं-कहीं भटक जाते हैं और जब-जब ऐसा होता है, जिंदगी की खूबसूरती गुमशुदा हो जाती है। जीवन का एक-एक क्षण जीना है- अपने लिए, दूसरों के लिए यह संकल्प सदुपयोग का संकल्प होगा, दुरुपयोग का नहीं। बस यहीं से शुरू होता है नीर-क्षीर का दृष्टिकोण। यहीं से उठता है अंधेरे से उजाले की ओर पहला कदम। सच तो यह है कि नई जिन्दगी की शुरुआत ही नया वर्ष है। समझदार लोगों के लिये नववर्ष का जश्न पछतावा नहीं, बल्कि आभार जताने का मौका देती है। उन सबके लिये आभार, जिनसे हमने सीखा एवं पाया है। आभार एवं कृतज्ञता उन रास्तों के लिये, जो हमारे लिये आशीर्वाद बन गये और उस शांत यकीन के लिये जो बताता है कि जिन्दगी की अनिश्चितताओं में भी एक दैवीय व्यवस्था काम करती है हमारी नाउम्मीदी को उम्मीद में बदलने के लिये।

(चिंतन-मनन)

भगवान का अचिंत्य ऐश्वर्य

भगवान भौतिक जगत के पालन व निर्वाह के लिए प्रत्यक्ष रूप से उत्तरदायी नहीं हैं। हम एटलस (एक रोमन देवता) को कंधों पर गोला उठाये देखते हैं। वह अत्यन्त थका लगता है और इस विशाल पृथ्वीलोक को धारण किये रहता है। हमें किसी ऐसे चित्र को मन में नहीं लाना चाहिए, जिसमें कृष्ण इस सृजित ब्रह्मांड को धारण किये हों। उनका कहना है कि यद्यपि सारी वस्तुएं उन पर टिकी हैं, सारे लोक अन्तरिक्ष में तैर रहे हैं और यह अन्तरिक्ष परमेश्वर की शक्ति है किन्तु वे अन्तरिक्ष से पृथक स्थित हैं। भगवान कहते हैं, यद्यपि सब रचित पदार्थ मेरी अचिंत्य शक्ति पर टिके हैं, किन्तु भगवान रूप में मैं उनसे पृथक रहता हूं। यह भगवान का अचिंत्य ऐश्वर्य है।

वैदिककोश निरुक्ति में कहा गया है- परमेश्वर शक्ति का प्रदर्शन करते हुए अचिंत्य आश्चर्यजनक लीलाएं कर रहे हैं। उनका व्यक्तित्व विभिन्न शक्तियों से पूर्ण है और संकल्प स्वयं एक तथ्य है। भगवान को इसी रूप में समझना चाहिए। हम कोई काम करना चाहते हैं, तो अनेक विघ्न आते हैं और कभी-कभी जो चाहते हैं वह नहीं कर पाते।

किन्तु जब कृष्ण कोई कार्य करना चाहते हैं, तो सब इतनी पूर्णता से सम्पन्न हो जाता है कि कोई सोच नहीं पाता कि यह सब कैसे हुआ! भगवान समझाते हैं-यद्यपि वे समस्त सृष्टि के पालक तथा धारणकर्ता हैं, किन्तु वे इस सृष्टि का स्पर्श नहीं करते। उनके मन और स्वयं उनमें कोई भेद नहीं है। वे हर वस्तु में उपस्थित हैं, किन्तु सामान्य व्यक्ति समझ नहीं पाता कि वे साकार रूप में उपस्थित हैं। वे भौतिक जगत से भिन्न हैं तो भी प्रत्येक वस्तु उन्हीं पर आश्रित है। इसे ही भगवान की योगशक्ति कहा गया है।

विचार मंथन

अमेरिका के राष्ट्रपति पर 43 करोड़ का जुर्माना

(लेखक- सनत जैन)

अमेरिका की एक अदालत ने डोनाल्ड ट्रंप पर यौन शोषण के मामले में दोष मुक्त करने के लिए 5 मिलियन डॉलर का जुर्माना लगाया है। जो भारतीय मुद्रा में लगभग 43 करोड रुपए होता है। कुछ दिनों के बाद ही अमेरिका के राष्ट्रपति पद की शपथ लेने वाले डोनाल्ड ट्रंप पर संघीय अदालत ने मानहानि और यौन शोषण के आरोप में मुआवजे के रूप में यह आदेश जारी किया है। 1996 में एक स्टोर की ड्रेसिंग रूम में यह यौन अपराध हुआ था। ट्रंप ने आरोप से इनकार किया था, उन्होंने मुकदमे में भाग नहीं लिया। अदालत ने इस मामले में 712 करोड रुपए का मुआवजा पीड़िता को देने का आदेश दिया था। इस निर्णय के बाद अमेरिका और भारत की न्यायपालिका को लेकर सारी दुनिया में चर्चा होने लगी है। अमेरिका में अदालतें सरकार और राजनीति से दूर रहते हुए अपने स्वतंत्र निर्णय करने के लिए आज भी स्वतंत्र हैं। डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति चुने जाने के बाद भी अमेरिका की अदालत में सबूतों और गवाहों के आधार पर यह निर्णय किया है। अमेरिका का राष्ट्रपति दुनिया का सबसे शक्तिशाली राष्ट्रपति होता है। न्याय के मामले में अमेरिका के न्यायालय कोई भेदभाव नहीं करती हैं। जिसके कारण अमेरिका की न्यायपालिका पहले भी सर्वोच्च थी, आज भी सर्वोच्चता के साथ सारी दुनिया में अपना स्थान बनाकर रखा है। भारतीय न्यायपालिका संविधान में प्रदत्त अधिकारों का उपयोग करते हुए, नागरिकों के संवैधानिक मौलिक अधिकार एवं सरकार द्वारा बनाए गए नियमों के अनुसार फैसला करने के लिए सारी दुनिया में जानी जाती थी। तत्कालीन सबसे शक्तिशाली प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को भी इलाहाबाद हाईकोर्ट में जाकर अपनी गवाही देनी पड़ी थी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उनके चुनाव को अवैध घोषित किया था। जिसकी अपील सुप्रीम कोर्ट में हुई थी। सुप्रीम कोर्ट ने भी कुछ शर्तों के साथ इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले को मान्य किया। भारतीय न्यायपालिका और न्यायाधीशों की साख को सारी दुनिया के देशों में बढ़ाया था। न्यायपालिका को संविधान ने सर्वोच्चतम स्थान दिया है। विधायिका और कार्यपालिका द्वारा बनाए गए नियम एवं कानून तथा संविधान प्रदत नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा करने का दायित्व, भारतीय न्यायपालिका पर है। स्वतंत्रता के बाद भारतीय न्यायपालिका न्यायप्रियता के लिए सारी दुनिया में जानी जाती थी। न्यायपालिका ने स्वतंत्रता के 6 दशक बाद तक, न्याय के मामले में सरकार का हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं किया। जिसके कारण नागरिकों को न्यायपालिका पर हमेशा विश्वास रहा है। पिछले कुछ वर्षों में भारतीय न्यायपालिका पर आम आदमी को वह विश्वास नहीं रहा, जो पहले हुआ करता था। पिछले कुछ वर्षों में न्यायपालिका सरकार और सत्ता में बैठे हुए लोगों के साथ विशेष बर्ताव कर रही है। न्यायपालिका में आम आदमियों के लिए अलग कानून और खास आदमियों के लिए अलग कानूनी व्याख्या देखने को मिलने लगी है। भारतीय न्यायपालिका द्वारा जो आदेश दिए जाते हैं, उनका पालन विधायिका और कार्यपालिका द्वारा नहीं किया जा रहा हैं। इसके बाद भी न्यायपालिका कोई कार्यवाही नहीं करती है। अब सरकार के खिलाफ समन जारी करने से भी हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट कोताही बरतने लगी है। जिससे सीधा संदेश जाता है, न्यायपालिका के ऊपर सरकार का दबाव है। 2014 के पहले की तत्कालीन सरकार के खिलाफ न्यायपालिका का अलग रुख था। 2014 से लेकर अभी तक न्यायपालिका का रुख पूरी तरह से बदला हुआ है। तब भी संविधान वही था, आज भी संविधान वही है। नियम कानून भी वैसे ही बने हुए हैं। संविधान में नागरिकों के मौलिक अधिकार भी वही हैं । कानून बनाकर नागरिकों के मौलिक अधिकारों को खत्म किया जा रहा है। बिना चार्ज सीट के विचाराधीन कैदी के रूप में आरोपियों को कई महीने और वर्षों तक जेलों में बंद रखा जा रहा है। जिस तरह के कानून बनाए जा रहे हैं। उसमें नागरिकों के मौलिक अधिकारों का अप्रत्यक्ष रूप से खत्म हो रहे है। पेगासस का सॉफ्टवेयर तथा ईड़ी के लिये बने विशेष कानून संविधान प्रदत नागरिक अधिकारों पर कैंची चलाई जा रही है। संघीय व्यवस्था में निर्वाचित राज्य सरकारों के ऊपर राज्यपाल शासन कर रहे हैं। संविधान प्रदत्त संघीय व्यवस्था पर केंद्र सरकार आधिपत्य बना रही है। इन सभी कारणों से भारतीय न्यायपालिका की साख देश और विदेश में खत्म होती जा रही है। 2014 के पहले की न्यायपालिका तत्कालीन सरकारों के खिलाफ निर्णय और टिप्पणी करने में कभी पीछे नहीं रही। यही न्यायपालिका 2014 के बाद सरकार का पल्लू पकड़कर आधे अधूरे आदेश देकर या मामलों की सुनवाई को टालकर सरकार की मदद कर रही है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत को शिक्षा खर्च बढ़ाकर जीडीपी 6 फीसदी करने की जरूरतः सीआईआई

- भारत में माध्यमिक स्कूलों में नामांकन दर की भी चिंता

नई दिल्ली । भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने हाल ही में एक रिपोर्ट जारी की है जिसमें उन्होंने बताया कि भारत को शिक्षा पर जीडीपी का 6 फीसदी खर्च करना चाहिए। इसके लिए उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों से भारत का शिक्षा पर खर्च जीडीपी के 2.7 से 2.9 फीसदी तक ही रही है, जबकि विकसित देशों में यह खर्च 5 से 7 फीसदी तक है। भारत में माध्यमिक स्कूलों में नामांकन दर की भी चिंता है। यहां नामांकन दर 79.6 फीसदी है, जो अन्य देशों के मुकाबले कम है। उदाहरण के लिए, ब्रिटेन, स्वीडन, और यूएसए में यह दर 98 से 100 फीसदी के बीच है। सीआईअआई की रिपोर्ट में इसके साथ ही बताया गया है कि भारत को चीन, ऑस्ट्रेलिया, स्वीडन, और यूके के मॉडल से अधिक सीखने की आवश्यकता है। रिपोर्ट के अनुसार भारत को अपने शिक्षा बजट को बढ़ाकर, वैश्विक मानकों के अनुरूप लाने की जरूरत है। स्वीडन और अमेरिका जैसे देशों ने अपने शिक्षा पर निवेश को बढ़ाया है, और सीआइआइ का मानना है कि भारत को भी इस दिशा में कदम उठाना चाहिए। शिक्षा पर उचित निवेश न करने से वैश्विक मानकों के हिसाब से सुधार मुश्किल हो सकता है। इस रिपोर्ट ने स्पष्ट किया है कि भारत को अपने शिक्षा क्षेत्र में निवेश में बदलाव की जरूरत है ताकि हम विकसित देशों के साथ टकराव कर सकें और एक उचित शिक्षा व्यवस्था को बनाए रख सकें।

आंध्र प्रदेश में 1.82 लाख करोड़ के निवेश की नौ परियोजनाएं मंजूर

- 2.63 लाख नये रोजगार के अवसर मिलेंगे

अमरावती । आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने कुल 1.82 लाख करोड़ रुपये के निवेश वाली नौ परियोजनाओं को मंजूरी दी। इनसे 2.63 लाख नये रोजगार के अवसर` मिल सकते हैं। राज्य निवेश संवर्द्धन बोर्ड (एसआईपीबी) की बैठक में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को राज्य में निवेश में रुचि रखने वाली कंपनियों के लिए भूमि और अन्य सुविधाओं के आवंटन में तेजी लाने का निर्देश दिया। आधिकारिक बयान के अनुसार, नायडू ने अधिकारियों से कहा, ''राज्य सरकार द्वारा दिए जाने वाले प्रोत्साहनों और रियायतों से अधिक कंपनियों को आकर्षित करें।'' इस बीच, अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि बीपीसीएल 96,862 करोड़ रुपये के निवेश से नेल्लोर जिले के रामय्यापत्तनम में एक रिफाइनरी स्थापित करेगी, जबकि आईटी क्षेत्र की दिग्गज टीसीएस (टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज) 80 करोड़ रुपये के निवेश से विशाखापत्तनम में मिलेनियम टावर्स में एक कार्यालय स्थापित करेगी।

चीन की विनिर्माण गतिविधियां दिसंबर में धीमी रहीं

- क्रय प्रबंधक सूचकांक दिसंबर में घटकर 50.1 पर

हांगकांग । चीन की फैक्टरी गतिविधियां हाल ही में किए गए प्रोत्साहन उपायों तथा बढ़ते व्यापार जोखिमों के बीच दिसंबर में धीमी गति से बढ़ी। राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो की ओर से मंगलवार को दी गई जानकारी के अनुसार, कारखाना प्रबंधकों के सर्वेक्षण पर आधारित क्रय प्रबंधक सूचकांक दिसंबर में घटकर 50.1 पर आ गया। नवंबर में यह 50.3 पर था। सूचकांक के 50 से ऊपर होने का मतलब उत्पादन गतिविधियों में विस्तार है जबकि 50 से नीचे का आंकड़ा संकुचन` दिखाता है। यह लगातार तीसरा महीने 50 से ऊपर है जो विनिर्माण गतिविधियों में विस्तार का संकेत देता है। दूसरी ओर, गैर-विनिर्माण क्षेत्र के लिए समानांतर क्रय प्रबंधक सूचकांक, जिसमें निर्माण तथा सेवाएं शामिल हैं वह दिसंबर में बढ़कर 52.2 पर रहा। नवंबर में यह 50 पर था।

भारतीय अर्थव्यवस्था में सुधार की उम्मीद आगे बेहतर रहेगी: आरबीआई गवर्नर

- खाद्य कीमतों में नरमी से नवंबर में मुद्रास्फीति को 5.5 फीसदी तक सीमित करने में मदद मिली

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने जीडीपी वृद्धि दर में हालिया सुस्ती के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था की संभावनाएं बेहतर होने की उम्मीद जताई है। मल्होत्रा ने आरबीआई की वित्तीय स्थायित्व रिपोर्ट में दिया यह बयान। उन्होंने कहा` कि उपभोक्ता और कारोबारी विश्वास उच्च बना हुआ है, जिससे अर्थव्यवस्था को रफ्तार मिलेगी। मल्होत्रा ने रिपोर्ट में इस विश्वास को दर्शाया है कि 2024-25 की पहली छमाही में आर्थिक गतिविधियों की रफ्तार सुस्त रहने के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था की संभावनाओं में सुधार की उम्मीद है। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर घटकर 5.4 फीसदी रह गई। मल्होत्रा ने आगामी वर्ष के लिए उपभोक्ता और कारोबारी विश्वास को देखते हुए और निवेश परिदृश्य के सुधार का मार्ग दिखाया है। भरपूर व्यापारिक गतिविधियों की तेजी के कारण 2024-25 की तीसरी और चौथी तिमाही में वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर में सुधार की उम्मीद जताई गई है। मुद्रास्फीति के मामले में, रिपोर्ट ने बताया कि खाद्य कीमतों में नरमी के कारण नवंबर में समग्र मुद्रास्फीति को 5.5 फीसदी तक सीमित करने में मदद मिली है। हालांकि मुख्य मुद्रास्फीति मई 2024 के बाद 64 आधार अंकों की बढ़त के साथ नवंबर में 3.7 फीसदी हो गई है। रिपोर्ट में दिखाई गई यह उम्मीद है कि खाद्यान्न की कीमतों में आने वाली नरमी से मुद्रास्फीति पर असर पड़ेगा।संजय मल्होत्रा ने दावा किया कि रिजर्व बैंक वित्तीय संस्थानों की स्थिरता को बरकरार रखने पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। उन्होंने भारतीय वित्तीय क्षेत्र की मजबूती की स्तुति भी की और कहा कि वित्तीय प्रणाली के बल मिल रहे हैं।

रुपया अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंचा

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया 8 पैसे की गिरावट के साथ ही अपने अब तक के सबसे निचले स्तर पर बंद हुआ। आज सुबह मुद्रा बाजार में रुपया शुरुआती कारोबार में नौ पैसे की गिरावट के साथ 85.61 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी बाजारों में अमेरिकी मुद्रा के मजबूत रुख तथा घरेलू शेयर बाजारों में नरमी का असर स्थानीय मुद्रा पर पड़ा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया कमजोरी के साथ 85.54 प्रति डॉलर पर खुला और फिर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.61 पर आ गया, जो पिछले बंद भाव के मुकाबले नौ पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.52 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.14 फीसदी की गिरावट के साथ 107.97 पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) सोमवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 1,893.16 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

आरबीआई की ओर से सुरक्षित बैंकिंग के लिए नए निर्देश

- और अधिक सुरक्षित होगा आरटीजीएस और एनईएफटी से लेनदेन

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने हाल ही में सभी बैंकों को एक महत्वपूर्ण निर्देश जारी किया है, जिसमें कहा गया है कि वे आरटीजीएस या एनईएफटी प्रणाली का उपयोग करते समय पैसा भेजने वाले खाताधारकों का नाम वैरिफाई करने की सुविधा प्रदान करें। इस सुविधा की शुरुआत करने के लिए, आरबीआई ने सभी बैंकों को 1 अप्रैल, 2025 तक की डेडलाइन दी है। आरबीआई के इस कदम से धन भेजने वाले लाभार्थी के खाते का नाम और ब्रांच आईएफएससी कोड इनपुट करने के बाद उनकी पहचान किया जा सकेगा। इस तरह गलत क्रेडिट और धोखाधड़ी की संभावना कम हो जाएगी और ग्राहकों के लिए सुरक्षित लेनदेन सुनिश्चित होगा। रियल टाइम ग्रॉस सेटलमेंट (आरटीजीएस) पेमेंट सिस्टम और नेशनल इलेक्ट्रॉनिक फंड ट्रांसफर (एनईएफटी) सिस्टम के माध्यम से पैसा भेजने पर, लाभार्थी का नाम वैरिफाई करना आसान हो जाएगा। यह सुविधा ग्राहकों के बीच विश्वास और आत्मविश्वास को बढ़ाएगी। आरबीआई द्वारा यह निर्णय लिया गया है क्योंकि इससे ग्राहकों को ऑनलाइन लेनदेन के दौरान अधिक सुरक्षा और सहायता मिलेगी। इस प्रक्रिया को माध्यम से बैंक और उपभोक्ता दोनों को होने वाले किसी भी जोखिम को कम किया जा सकेगा। यह सुरक्षा की नई कड़ी में एक महत्वपूर्ण कदम है और इसके इम्पलीमेंटेशन से उपभोक्ताओं को बेहतर सेवाएं प्राप्त होंगी। यहां तक कि भारतीय बैंकिंग सेक्टर में भुगतान प्रणालियों की दिशा में यह एक बड़ा और पहले से ही कीमती कदम साबित हो सकता है।

साल के अंतिम दिन शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट पर बंद हुआ। साल के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट एशियाई और दुनिया भर के बाजारों से मिले नकारात्मक संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। निवेशकों की कमजोर धारणा से भी बाजार में बिकवाली का माहौल रहा। आईटी स्टॉक्स में गिरावट के बीच अमेरिका में बांड यील्ड में बढ़त से भी बाजार पर दबाव पड़ा। इससे विदेशी निवेशक में बिकवाली हावी रही। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 109.12 अंक करीब 0.14 फीसदी नीचे आकर 78,139.01 पर बंद हुआ। दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी तकरीबन 0.10 अंक फिसलकर 23,644.80 अंक पर बंद हुआ।

निफ्टी और सेंसेक्स ने निवेशकों को 8.4 फीसदी का रिटर्न दिया हालांकि यह पिछले साल 2023 के लगभग 20फीसदी के रिटर्न से काफी कम है। कॉरपोरेट कंपनियों के तिमाही परिणामों के उम्मीद के अनुरुप नहीं रहने से भी बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। इस साल 2024 में सेंसेक्स 5,898.75 अंक करीब 8.16 फीसदी ऊपर आया जबकि निफ्टी 1,913.4 अंक तकरीबन 8.80 फीसदी उछला। आज कारोबार के दौरानप सेंसेक्स के शेयरों में 30 कंपनियों में टेक महिंद्रा, ज़ोमैटो, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इंफोसिस, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और एचसीएल टेक्नोलॉजीज के शेयर नीचे आये जबकि दूसरी ओर कोटक महिंद्रा बैंक, आईटीसी , अल्ट्राटेक सीमेंट और टाटा मोटर्स के शेयर तेजी पर बंद हुए।

बाजार जानकारों के अनुसार आईटी स्टॉक्स में बिकवाली सहित एशियाई बाजारों में गिरावट से भी बाजार फिसला है। अमेरिका में बांड यील्ड बढ़ने से भी बाजारों पर नकारात्मक असर पड़ा है। इसकी वजह से उभरते बाजारों में गिरावट देखने को मिल रही है।

वहीं गत दिवस बाजार गिरावट पर बंद हुआ था।

इससे पहले आज सुबह एशियाई बाजारों में कमजोर रुख की वजह से बाजार के प्रमुख इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी मंगलवार को भारी गिरावट के साथ खुले। स्मॉलकैप और मिडकैप में भी .25 और 0.5 फीसदी की गिरावट आई।

देश पर तेजी से बढ़ता जा रहा विदेशी कर्ज

- 3 महीने में बढ़ गए 2.52 लाख करोड़ रुपए

नई दिल्ली ।

भारतीय अर्थव्यवस्था की रफतार जितनी तेज है उसी तेजी से देश में विदेशी कर्ज भी बढ़ता जा रहा है। बताया जा रहा है कि देश के पास जितना बड़ा विदेशी मुद्रा भंडार है, उससे ज्यादा विदेशी कर्ज का बोझ लद गया है। यह आंकड़ा सरकार ने जारी किया है। इस आंकड़े की मानें तो देश के हर नागरिक पर करीब 5 डॉलर का कर्जा है। इसमें महज 3 महीने यानी जुलाई से सितंबर तक ही 2.52 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो चुकी है। वित्त मंत्रालय ने बताया कि भारत का विदेशी कर्ज इस साल सितंबर में बढ़कर 711.8 अरब डॉलर हो गया। यह जून, 2024 की तुलना में 4.3 प्रतिशत अधिक है। सितंबर, 2023 के अंत में विदेशी कर्ज 637.1 अरब डॉलर था। वित्त मंत्रालय ने 'भारत की तिमाही विदेशी ऋण' शीर्षक से जारी रिपोर्ट में कहा है कि सितंबर, 2024 में देश का विदेशी कर्ज 711.8 अरब डॉलर था, जो जून, 2024 के मुकाबले 29.6 अरब डॉलर (करीब 2.52 लाख करोड़ रुपये) अधिक है। रिपोर्ट के अनुसार सितंबर, 2024 में विदेशी कर्ज और सकल घरेलू उत्पाद का अनुपात 19.4 प्रतिशत था, जो जून, 2024 में 18.8 प्रतिशत था. सितंबर, 2024 की स्थिति के अनुसार भारत के विदेशी कर्ज में 53.4 प्रतिशत के साथ अमेरिकी डॉलर में ऋण की हिस्सेदारी सबसे अधिक रही. इसके बाद भारतीय रुपया, जापानी येन, एसडीआर और यूरो का स्थान रहा। केंद्र एवं राज्य सरकारों के साथ गैर-सरकारी क्षेत्र का बकाया विदेशी कर्ज सितंबर, 2024 के अंत में जून, 2024 की तुलना में बढ़ा है। बाहरी कर्ज में लोन ही सबसे बड़ा घटक रहा है। इसकी हिस्सेदारी 33.7 प्रतिशत थी। इसके बाद मुद्रा और जमा, व्यापार कर्ज और अग्रिम और ऋण

प्रतिभूतियां का स्थान रहा। देश पर लदे कुल विदेशी कर्ज के अनुपात को देखा जाए तो भारत के हर नागरिक पर कर्जा लदा हुआ है। सितंबर, 2024 के अंत में मूल राशि और ब्याज भुगतान वर्तमान प्राप्तियों का 6.7 प्रतिशत था, जबकि जून, 2024 में यह 6.6 प्रतिशत था। फिलहाल कुल विदेशी कर्ज 712 अरब डॉलर है और जनसंख्या 1.40 अरब है तो इस लिहाज से हर व्यक्ति पर करीब 5 डॉलर (करीब 430 रुपये) का कर्ज लदा हुआ है।

यूनीमेक एयरोस्पेस का शेयर निर्गम मूल्य से करीब 90 फीसदी बढ़कर सूचीबद्ध

- एनएसई पर यूनीमेक के शेयर ने 85.98 प्रतिशत चढ़कर 1,460 रुपये पर शुरुआत की

नई दिल्ली । यूनीमेक एयरोस्पेस एंड मैन्युफैक्चरिंग लिमिटेड का शेयर अपने निर्गम मूल्य 785 रुपये से करीब 90 प्रतिशत से अधिक उछाल के साथ मंगलवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर 89.93 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,491 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। एनएसई पर इसने 85.98 प्रतिशत चढ़कर 1,460 रुपये पर शुरुआत की। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 6,956.20 करोड़ रुपये रहा। यूनीमेक एयरोस्पेस एंड मैन्युफैक्चरिंग लिमिटेड के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को बोली के आखिरी दिन गुरुवार को 174.93 गुना अभिदान मिला था। आईपीओ 250 करोड़ रुपये के नए शेयर और 250 करोड़ रुपये तक की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन था। इसके लिए मूल्य दायरा 745-785 रुपये प्रति शेयर तय किया गया था।

अडानी ने साल जाते-जाते की जमकर कमाई, सूची में चढ़े एक स्थान ऊपर

दुनिया के टॉप 17 अमीर लोगों की नेटवर्थ में आई गिरावट

नई दिल्ली।

कल दुनियाभर के शेयर बाजारों में गिरावट रही भारत भी इससे अछूता नहीं रहा। दुनिया के टॉप 20 अमीर लोगों में से 17 की नेटवर्थ में गिरावट आई। केवल गौतम अडानी, अमेरिका के लैरी एलिसन और एनवीडिया के फाउंडर जेंसन हुआंग की नेटवर्थ में तेजी बनी रही। शेयर बाजार में गिरावट के बावजूद अडानी ग्रुप के अधिकांश शेयरों में सोमवार को तेजी नजर आई। इससे अडानी की नेटवर्थ में 3.48 अरब डॉलर की तेजी आई। वह 80.1 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की सूची में एक स्थान चढ़कर 18वें नंबर पर पहुंच गए। अडानी टोटल गैस में सोमवार को 11.20 फीसदी तेजी रही जबकि ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज का शेयर 7.65 फीसदी तेजी के साथ बंद हुआ। अडानी पावर में 6.46 फीसदी, अडानी ग्रीन एनर्जी में 2.31 फीसदी और अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस में 2.46 फीसदी की तेजी देखी गई। इसके साथ ही अडानी एशिया के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी के करीब पहुंच गए। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन अंबानी की नेटवर्थ में 64.7 करोड़ डॉलर की गिरावट रही। वह 90.6 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 17वें नंबर पर हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ में 5.73 अरब डॉलर की गिरावट आई है। दुनिया के सबसे अमीर इंसान एलन मस्क की नेटवर्थ में सोमवार को 9.83 अरब डॉलर की गिरावट रही और अब यह 442 अरब डॉलर रह गई है। ऐमजॉन के फाउंडर जेफ बेजोस 241 अरब डॉलर के साथ दूसरे नंबर पर हैं। फेसबुक के फाउंडर मार्क जकरबर्ग 209 अरब डॉलर के साथ तीसरे, लैरी एलिसन 193 अरब डॉलर के साथ चौथे, बर्नार्ड आरनॉल्ट 176 अरब डॉलर पांचवें, लैरी पेज 170 अरब डॉलर के साथ छठे, सर्गेई ब्रिन 160 अरब डॉलर सातवें, बिल गेट्स 160 अरब डॉलर आठवें, स्टीव बालमर 148 अरब डॉलर नौवें और वॉरेन बफे 142 अरब डॉलर के साथ दसवें नंबर पर जमे हुए हैं।

वारी रिन्यूएबल को दो गीगावाट की सौर परियोजना का मिला ठेका

- यह सौर परियोजना राजस्थान के बीकानेर में स्थित होगी

नई दिल्ली ।

वारी रिन्यूबल टेक्नोलॉजीज लिमिटेड (डब्ल्यूआरटीएल) ने जिंदल रिन्यूएबल्स की विशेष इकाई (एसपीवी) सनब्रीज रिन्यूएबल्स नाइन प्राइवेट लिमिटेड से दो गीगावाट सौर परियोजना के लिए अपना सबसे बड़ा इंजीनियरिंग, खरीद व निर्माण (ईपीसी) ठेका हासिल किया है। यह कदम एक महत्वपूर्ण प्रयास का हिस्सा है जिसमें उर्जा क्षेत्र में नया जीवन प्रदान किया जा रहा है। यह सौर परियोजना राजस्थान के बीकानेर में स्थित होगी और उर्जा दक्षता को बढ़ाने तथा उत्पादन को अधिकतम करने के लिए उन्नत प्रौद्योगिकियों व टिकाऊ समाधानों का इस्तेमाल किया जाएगा। इस परियोजना के माध्यम से प्रदेश में ऊर्जा क्षेत्र को एक नया दिशा प्रदान किया जाएगा जो भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इस समाधान से मिलने वाला ऊर्जा उत्पादन देश में स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में एक नया उजागर कर सकता है जो आने वाले समय में अधिक विकास के दरवाजे खोल सकता है। इस

समाचार ने उर्जा क्षेत्र में नए संभावनाओं का दरवाजा खोल दिया है और आगे और उत्कृष्टता की दिशा में एक प्रेरणा स्रोत माना जा रहा है। यह एक बड़ी उत्थान कथा का शुभारंभ हो सकता है जो देश के उर्जा स्वायत्तता की दिशा में नए मील का पत्थर साबित हो सकता है।

नए साल के स्वागत में शिमला में पर्यटकों की संख्या में इजाफा

बर्फबारी का मजा लेने के लिए शहर के होटल और रिसॉर्ट्स में बुकिंग हुई

शिमला ।

नए साल के आगमन का स्वागत करने के लिए शिमला में पर्यटकों की संख्या में इजाफा देखा जा रहा है। बर्फबारी का मजा लेने के लिए शहर के होटल और रिसॉर्ट्स में बुकिंगें हो गई हैं और होटल मालिकों का कहना है कि 31 दिसंबर तक होटल शायद पूरी तरह से भरे जा सकते हैं। यहां पर्यटक नए साल के मौके पर बर्फबारी का मजा लेने आ रहे हैं, लेकिन कुछ उपरोक्त पर्यटकों को बर्फबारी में देरी की खबर थोड़ा निराश कर रही है। दिल्ली के दिलशाद गार्डन से आए एक पर्यटक ने बताया कि हम शिमला न्यू ईयर मनाने के लिए आए थे और जब यहां पहुंचे थे, तो बर्फबारी हो रही थी। हम यहां क्रिसमस का जश्न नहीं मना पाए, लेकिन अब न्यू ईयर का जश्न मनाने के लिए आए हैं। माल रोड पर बहुत भीड़ है, लोग यहां घूमने आ रहे हैं। बर्फबारी की उम्मीद अगले दो-तीन दिन में जताई जा रही है, लेकिन फिलहाल हमें कोई आस नजर नहीं आ रही। हम 2-3 जनवरी तक यहां रुकेंगे, फिर दिल्ली लौट जाएंगे। हरिद्वार से शिमला पहुंचे पर्यटक ने कहा कि यहां आकर बहुत अच्छा लग रहा है। हम अपने दोस्तों के साथ यहां आनंद ले रहे हैं। बर्फबारी की उम्मीद थी, लेकिन अभी तक नहीं हो रही। हम बर्फबारी का इंतजार कर रहे हैं और उम्मीद करते हैं कि जल्द ही यह देखने को मिले। शिमला का माहौल इस समय बेहद उत्साहपूर्ण है, और पर्यटक यहां के ठंडे मौसम, ताजगी और खूबसूरत दृश्य का पूरा लुत्फ उठा रहे हैं। होटल और रिसॉर्ट्स के मालिकों का मानना है कि अगर पर्यटकों का तांता इसी तरह जारी रहा, तो शिमला के प्रमुख पर्यटन स्थल जल्द ही पूरी तरह से भरे होंगे।

अदाणी एंटरप्राइजेजः लांग टर्म निवेश के लिए अच्छा विकल्प

अदाणी एंटरप्राइजेज के शेयर को 'बाय' रेटिंग मिली

नई दिल्ली ।

शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच अगर आप लांग टर्म निवेश के लिए किसी क्वॉलिटी शेयर की तलाश में हैं, तो अदाणी एंटरप्राइजेज एक अच्छा विकल्प हो सकता है। एक ब्रोकरेज फर्म ने इस शेयर को 'बाय' रेटिंग दी है और इसका टार्गेट प्राइस 3801 रुपये प्रति शेयर तय किया है। वर्तमान में अदाणी एंटरप्राइजेज का शेयर 2585 रुपये पर कारोबार कर रहा है, जिससे प्रति शेयर उन्हें 48 फीसदी का अपसाइड मिल सकता है। अदाणी एंटरप्राइजेज (एईएल) एक ऐसी कंपनी है जो अपनी सफलता की कहानी लिख रही है।

चाहे वो अदाणी पोर्ट्स हों, अदाणी ग्रीन एनर्जी हो, या अदाणी टोटल गैस हो, कंपनी ने अपने क्षेत्र में अपनी जगह बना ली है। अब यह कंपनी ग्रीन हाइड्रोजन, सोलर मॉड्यूल, डेटा सेंटर्स, और रोड कंस्ट्रक्शन जैसे नए सेक्टर्स में कदम बढ़ा रही है। हाल ही में अदाणी एंटरप्राइजेज ने कई बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं। उनकी ग्रीन हाइड्रोजन के क्षेत्र में 101.5 एमडब्ल्यू का इलेक्ट्रोलाइजर प्रोजेक्ट उन्होंने सफलतापूर्वक पूरा किया है। साथ ही, नवी मुंबई एयरपोर्ट पर पहले आईएएफ विमान का स्वागत किया गया और कई नए रूट्स और उड़ानें शुरू की गईं। इसके अलावा, उन्होंने डेटा सेंटर्स में भी बेहतरीन प्रदर्शन किया है और बंगाल और तेलंगाना में दो बड़े रोड प्रोजेक्ट पूरे कर लिए हैं।

अदाणी एंटरप्राइजेज की आय, एबिटेडा और शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 24-27 के बीच क्रमशः 17.5, 37.5 और 45.8 फीसदी की ग्रोथ की उम्मीद है। ब्रोकरेज फर्म के मुताबिक, अदाणी एंटरप्राइजेज के शेयर का टार्गेट प्राइस 3801 रुपए है।

इससे साफ है कि इस स्टॉक में लॉन्ग टर्म निवेश करने से आप बड़ा रिटर्न कमा सकते हैं। अदाणी एंटरप्राइजेज की यात्रा ने एक नया मोड़ लिया है, और निवेशकों को एक बेहतर भविष्य की उम्मीद देता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बुमराह, रुट सहित चार खिलाड़ी आईसीसी के सर्वश्रेष्ठ पुरुष क्रिकेटर के लिए नामांकित

दुबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के साल के सर्वश्रेष्ठ पुरुष क्रिकेटर के लिए नामांकित किया गया है। बुमराह के अलावा इस पुरस्कार की दौड़ में ऑस्ट्रेलिया के ट्रैविस हेड और इंग्लैंड के बल्लेबाज जो रूट और हैरी ब्रुक भी हैं। बुमराह ने टी20 विश्वकप के आठ मैचों में 15 विकेट लिए, जिसमें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फाइनल में लिए दो विकेट भी शामिल हैं, जिससे भारतीय टीम 2024 टी20 विश्व कप में अपराजेय रही है।

बुमराह ने 13 टेस्ट मैचों में 71 विकेट लेकर टेस्ट प्रारुप में भी शानदार रिकार्ड बनाया है। ऑस्ट्रेलिया में चल रही बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में बुमराह 12.83 की औसत से 30 विकेट लेकर सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में सबसे आगे हैं। उन्होंने 200 टेस्ट विकेट भी पूरे किये हैं। वह 20 से कम औसत के साथ यह उपलब्धि हासिल करने वाले पहले गेंदबाज हैं। वहीं बल्लेबाजी की बात करें तो ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड ने भी सभी प्रारूपों में अच्छा प्रदर्शन किय है। 2023 आईसीसी विश्व कप फाइनल के बाद से ही हेड जबरदस्त फॉर्म में हैं। उन्होंने 2024 टी20 विश्व कप में सात पारियों में 255 रन बनाये थे। इसके अलावा टेस्ट प्रारुप की बात करें तो मौजूदा बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में वह सबसे ज्यादा रन बनाने वाला खिलाड़ी बने हैं। वहीं इंग्लैंड के प्रमुख बल्लेबाज रूट भी पुरस्कार की दौड़ में शामिल हैं। रुट ने 17 टेस्ट में 55.57 की औसत से 1556 रन बनाए हैं। इससे पहले साल 2021 में उन्होंने 1708 रन बनाये थे। छह टेस्ट शतकों और पांच अर्द्धशतकों के साथ, रूट भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर राहुल द्रविड़ के साथ टेस्ट में संयुक्त रूप से पांचवें सबसे ज्यादा 36 शतक बनाने वाला बल्लेबाज बने हैं। रूट ने भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज में चार विकेट भी लिए हैं। इंग्लैंड के ही युवा क्रिकेट हैरी ब्रूक भी साल के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में शामिल हैं। हैरी ने ने 12 टेस्ट में 55 की औसत से 1100 रन बनाए, जिसमें तीन अर्द्धशतक और चार शतक शामिल हैं। जिसमें एक तिहरा शतक भी है।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने 2024 की अपनी टेस्ट टीम का बुमराह को बनाया कप्तान, यशस्वी भी शामिल

मेलबर्न (एजेंसी)। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने साल 2024 की अपनी पुरुष टेस्ट टीम घोषित की है। इसकी कप्तानी भारतीय टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह मिली है। वहीं बुमराह के अलावा युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को भी छह देशों के खिलाड़ियों वाली अंतिम ग्यारह में जगह मिली है। इस टीम में सीए ने ऑस्ट्रेलिक के केवल दो खिलाड़ियों विकेटकीपर-बल्लेबाज एलेक्स कैरी और तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड को अंतिम ग्यारह में शामिल किया है। इस टीम में इंग्लैंड के जो रूट, बेन डकेट और हैरी ब्रुक के साथ ही न्यूजीलैंड के रचिन रवींद्र और मैट हेनरी को भी शामिल किया गया है। वहीं दक्षिण अफ्रीका के केशव महाराज और श्रीलंका के कामिंडू मेंडिस को भी इस टीम में शामिल किया गया है।यशस्वी को जगह मिलने का कारण उनका इस साल का प्रदर्शन रहा। यशस्वी ने इस साल अनुभवी बल्लेबाज़ों की तरह खेलते हुए। लगातार दोहरे शतक लगाकर इंग्लैंड के ख़िलाफ़ घरेलू टेस्ट सीरीज़ में टीम की जीत तय की। वहीं पर्थ में भारतीय टीम की जीत में उनकी 161 रनों की पारी अहम रही। इस युवा बल्लेबाज ने एक कैलेंडर वर्ष में किसी भारतीय सलामी बल्लेबाज द्वारा सबसे ज़्यादा रन बनाने और एक साल में दुनिया भर में सबसे ज़्यादा 36 छक्के लगाने का रिकॉर्ड बनाया। वहीं इंग्लैंड के डकेट ने आक्रामक अंदजा मे खेलते हुए भारत दौरे में राजकोट में 153 रन और मुल्तान में 114 रनों की पारियां खेलीं। 87.04 का उनका स्ट्राइक रेट रहा। वहीं रूट ने साल 2024 में ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए छह शतक लगाये और 11 विकेट लिए, लॉर्ड्स में श्रीलंका के ख़िलाफ़ एक दोहरा शतक शतक और मुल्तान में नाबाद 262 रनों की पारी भी उनके नाम रही। जिससे टीम को पाकिस्तान पर जीत हासिल करने में सहायता मिली। इस दौरान उन्होंने 11 विकेट भी लिए। वहीं न्यूजीलैंड के रविंद्र ने भारत में कीवी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाते हुए 134 रन की पारी खेली। उन्होंने घरेलू मैदान पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दोहरा शतक भी बनाया। वहीं इंग्लैंड के युवा बल्लेबाज ब्रूक ने न्यूजीलैंड के खिलाफ निर्णायक शतक लगाने के साथ ही मुल्तान में 317 रन की शानदार पारी खेलकर विरोधी टीम पर दबाव बनाया। वहीं श्रीलंका के मेंडिस ने 13 पारियों में चार शतकों के साथ ही 1,000 रन बनाकर ब्रैडमैन के रिकॉर्ड की बराबरी की। ऑस्ट्रेलिया के कैरी ने 46 शिकार के साथ स्टंप के पीछे असाधारण प्रदर्शन किया। इसके साथ ही क्राइस्टचर्च में उनकी नाबाद 98 रन की पारी वर्ष की सर्वश्रेष्ठ चौथी पारी में से एक थी। हेनरी न्यूजीलैंड के प्रमुख गेंदबाज के रूप में उभरे, जिन्होंने भारत के खिलाफ 15 रन देकर पांच विकेट लिए। बुमराह का 2024 का प्रदर्शन ऐतिहासिक रहा, जिसमें उन्होंने 13 मैचों में 14.92 की औसत से 71 विकेट लिए, जिससे वे इस साल के सबसे बेहतरीन गेंदबाज बन गए जबकि ऑस्ट्रेलिया के हेजलवुड ने 14 से कम की औसत से गेंदबाजी करते हुए अपनी श्रेष्ठता बरकरार रखी। इसके अलावा दक्षिण अफ्रीका के केशव महाराज ने अपनी गेंदों से विरोधी टीमों पर दबाव बनाये रखा। इस टीम पाकिस्तान और बांग्लादेश के किसी भी क्रिकेटर को जगह नहीं मिली।

टीम इस प्रकार है जसप्रीत बुमराह (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, बेन डकेट, जो रूट, रचिन रवींद्र, हैरी ब्रुक, कामिंडू मेंडिस, एलेक्स कैरी (विकेट कीपर), मैट हेनरी, जोश हेजलवुड, केशव महाराज।

दीप्ति शर्मा आईसीसी महिला गेंदबाजी रैंकिंग में पांचवें स्थान पर पहुंची

दुबई (एजेंसी)। भारतीय ऑफ स्पिनर दीप्ति शर्मा वेस्टइंडीज के खिलाफ स्वदेश में हाल में संपन्न श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन की बदौलत अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की महिला एकदिवसीय गेंदबाजी रैंकिंग में एक स्थान के फायदे से पांचवें पायदान पर पहुंच गई। शीर्ष पांच में जगह बनाने वाली दीप्ति के अब 665 रेटिंग अंक हैं और वह चौथे स्थान पर चल रही दक्षिण अफ्रीका की मारिजेन कैप से 12 अंक पीछे हैं।

27 साल की दीप्ति ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दो मैच में आठ विकेट चटकाए थे जिसमें अंतिम मैच में 31 रन देकर छह विकेट भी शामिल है। भारत ने वडोदरा में यह एकदिवसीय श्रृंखला 3-0 से जीतकर क्लीनस्वीप किया था। बल्लेबाजों की सूची में जेमिमा रोड्रिग्स 537 अंक के साथ शीर्ष 20 में जगह बनाने के करीब हैं। श्रृंखला में 29 और 52 रन की पारियां खेलकर वह चार स्थान के फायदे से 22वें स्थान पर हैं। आक्रामक बल्लेबाज रिचा घोष भी सात स्थान के फायदे से 41वें पायदान पर हैं। उनके 448 रेटिंग अंक हैं।

वेस्टइंडीज की चिनेल हेनरी तीसरे एकदिवसीय में अर्धशतक की बदौलत 21 स्थान की लंबी छलांग के साथ 65वें स्थान पर हैं। श्रृंखला में दो अर्धशतक बनाने वाली भारत की स्टार सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना (720 अंक) हालांकि एक स्थान के नुकसान से तीसरे स्थान पर खिसक गई। दक्षिण अफ्रीका की लॉरा वोलवार्ट (773) और श्रीलंका की चामरी अटापट्टू (733) उनसे आगे हैं। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर तीन स्थान के नुकसान से 13वें स्थान पर हैं। वडोदरा में अपने करियर की सातवां एकदिवसीय शतक जड़ने वाली हेली मैथ्यूज छह स्थान के फायदे से बल्लेबाजी रैंकिंग में सातवें स्थान पर पहुंच गई हैं।

खो-खो विश्व कप का शेड्यूल जारी, 13 जनवरी से शुरू होंगे मुकाबले

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पुरुष टीम 13 जनवरी से शुरू होने वाले पहले खो - खो विश्व कप के शुरुआती दिन अपने अभियान का आगाज ग्रुप ए में नेपाल के खिलाफ यहां के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में करेगी जबकि महिला टीम इसके अगले दिन दक्षिण कोरिया के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेगी। 13 से 19 जनवरी तक आयोजित होने वाले इस विश्व कप के पुरुष और महिला वर्ग में क्रमश=20 और 19 टीमें भाग ले रही है।

खो-खो विश्व कप आयोजन समिति के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने मंगलवार को बताया कि टीमों को चार ग्रुप में बांटा गया है। प्रत्येक ग्रुप में शीर्ष पर रहने वाले दो टीमें नॉकआउट चरण (क्वार्टर फाइनल) के लिए क्वालीफाई करेंगी। पुरूष वर्ग में भारत और नेपाल के अलाव ग्रुप ए में पेरू, ब्राजील और भूटान की टीमें हैं।

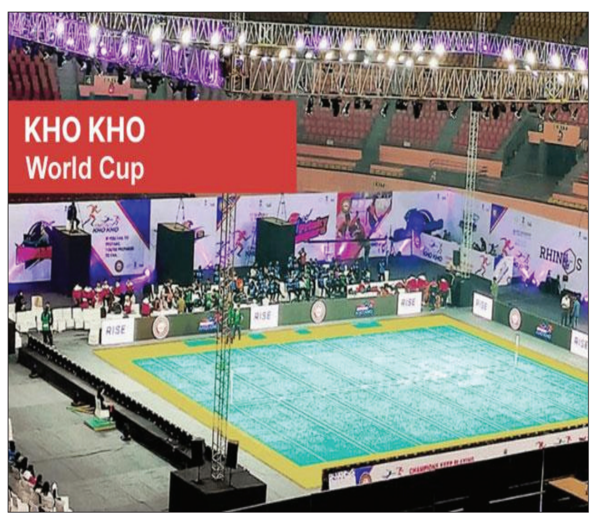

महिलाओं के वर्ग में ग्रुप ए में भारत और दक्षिण कोरिया के साथ ईरान और मलेशिया की टीमें है। भारतीय पुरुष टीम इसके बाद 14 जनवरी को ब्राजील, 15 जनवरी को पेरु, 16 जनवरी को भूटान के खिलाफ खेलेगी। महिला टीम 15 जनवरी को ईरान और 16 जनवरी को मलेशिया की चुनौती का सामना करेगी। टूर्नामेंट में दोनों वर्गों का क्वार्टर फाइनल 17 जनवरी, सेमीफाइनल 18 जनवरी और फाइनल 19 जनवरी को खेला जाएगा।

विश्व कप के लिए पुरुष टीमों का ग्रुप

ग्रुप ए : भारत, नेपाल, पेरू, ब्राजील और भूटान

ग्रुप बी : दक्षिण अफ्रीका, घाना, अर्जेंटीना, नीदरलैंड और ईरान

ग्रुप सीः बांग्लादेश, श्रीलंका, दक्षिण कोरिया, अमेरिका और पोलैंड

ग्रुप डी : इंग्लैंड, जर्मनी, मलेशिया, ऑस्ट्रेलिया और कीनिया

विश्व कप के लिए महिला टीमों का ग्रुप

ग्रुप ए : भारत, ईरान, मलेशिया और दक्षिण कोरिया

ग्रुप बी : इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, कीनिया, युगांडा और नीदरलैंड

ग्रुप सी : नेपाल, भूटान, श्रीलंका, जर्मनी और बांग्लादेश

ग्रुप डी : दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड, पोलैंड, पेरू और इंडोनेशिया

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर ने दी रोहित को संन्यास की सलाह

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर मार्क वॉ ने भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा को संन्यास की सलाह दी है। मार्क ने साथ ही कहा कि अगर वह चयनकर्ता होते तो रोहित को संन्यास लेने को कह देते। रोहित टी20 विश्व कप के बाद से ही फार्म में नहीं हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में भी वह रन नहीं बना पाये थे। इससे वह आलोचकों के साथ ही पूर्व क्रिकेटरों के भी निशाने पर हैं। मार्क के इस बयान का कुछ लोगों ने समर्थन किया है। वहीं कुछ ने कहा कि उन्हें पहले अपनी टीक के मिचेल मार्श का रिकार्ड देखना चाहिये। मार्श भी इस सीरीज में विफल रहे हैं। वॉ ने कहा, अगर मैं अभी चयनकर्ता होता तो कहता कि मेलबर्न में जब रनों की जरुरत थी तो वह दूसरी पारी में केवल 9 रन ही बना पाये। ऐसे में सिडनी में आपको नहीं लिया जा सकता। मैं कहता, रोहित आपकी सेवा के हम आभारी हैं। आप एक बेहतरीन खिलाड़ी रहे हैं पर हम अब जसप्रीत बुमराह को कप्तान बनाने जा रहे हैं और यह आपके करियर का अंत होगा। रोहित के लिएए यह सीरीज किसी खराब सपने से कम नहीं रही है। उन्होंने 5 पारियों में 31 रन बनाए हैं, जबकि कप्तान के तौर पर भी वह बहुत सफल नहीं रहे हैं। वहीं भारत ने पहला टेस्ट बुमराह की कप्तानी में शानदार तरीके से जीता था। रोहित ने एडिलेड टेस्ट में कप्तानी संभाली थी जिसमें टीम को करारी हार का सामना करना पड़ा था। वहीं तीसरा मैच भारतीय टीम बड़ी मुश्किल से बचा पायी जबकि चौथे टेस्ट में उसे करारी हार का सामना करना पड़ा।

भारतीय टीम अंतिम टेस्ट में हारी तो डब्ल्यूटीसी से बाहर होगी

मुम्बई (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के बॉक्सिंग डे टेस्ट में मिली 184 रनों की बढ़ी जीत के साथ ही आगामी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्लयूटीसी) फाइनल के लिए अपनी दावेदारी और पक्की कर ली है। वहीं अब अगर ऑस्ट्रेलिया अगर 3 जनवरी से सिडनी में शुरू होने वाले अंतिम टेस्ट को ड्रा करा लेता है या जीत हासिल कर लेता है तो भारतीय टीम डब्ल्यूटीसी से बाहर हो जाएगी। ऑस्ट्रेलिया ने इस चक्र में अपनी 10वीं जीत के साथ फाइनल खेलने की अपनी संभावनाओं को बढ़ाया है। उसका अंक प्रतिशत पीसीटी 58.89 से बढ़कर 61.45 पहुंच गया हैं। अब तक केवल एक टीम दक्षिण अफ्रीका फाइनल में पहुंची है। वहीं चौथे टेस्ट में हार से भारत की डब्लयूटीसी फाइनल की संभावनाओं को करारा झटका लगा है। इस हार के साथ तीसरे स्थान पर मौजूद भारत का पीसीटी 55.89 से घटकर 52.77 हो गया। इस चक्र में भारत की ये सातवीं हार है।

इससे पहले अपनी धरती पहले घर पर न्यूजीलैंड के खिलाफ मिली टेस्ट सीरीज में हार और अब ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर 5 टेस्ट मैचों की सीरीज में दूसरी हार से भारत मुश्किल में आ गया था। वहीं ऑस्ट्रेलियाई टीम से बॉक्सिंग डे टेस्ट हारकर भारतीय टीम के सीधे प्रवेश की संभावनएं समाप्त हो गयी हैं और उसे अब अन्य टीमों के परिणामों पर भी निर्भर रहना होगा। सिडनी में अगर भारतीय टीम जीत दर्ज करती है तो उसका पीसीटी 55.26 हो जाएगा, जिससे उसकी उम्मीदें बनी रहेंगी। इसके साथ ही भारतीय टीम को दुआ करनी होगी कि श्रीलंका 1-0 से ऑस्ट्रेलिया को हरा दे।

हार्दिक पांड्या से अच्छी है नितीश की बल्लेबाजी: गावस्कर

मेलबर्न (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने टीम के युवा ऑलराउंडर नितीश रेड्डी की जमकर प्रशंसा की है। गावस्कर का मानना है कि नितीश बल्लेबाजी के मामले में अनुभवी ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या से बेहतर है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में नितीश ने अब तक अच्छी बल्लेबाजी की है। इस युवा ने मेलबर्न में विपरीत हालातों में 114 रनों की शानदार पारी खेली थी। नितीश ने पहली पारी में शतक लगाकर भारतीय टीम को मैच में बनाए रखा था। गावस्कर नितीश के दृढ़ संकल्प से काफी प्रभावित हैं, उन्होंने उन्हें भारतीय क्रिकेट के सबसे चमकदार युवा सितारों में से एक बताया। उन्होंने यह भी कहा कि नितीश की बल्लेबाजी हार्दिक पांड्या से कहीं बेहतर है।

मेलबर्न टेस्ट में नितीश पहली पारी में नंबर 8 पर बल्लेबाजी करने आए थे। गावस्कर ने लिखा, मेलबर्न टेस्ट से भारतीय क्रिकेट के सबसे चमकते युवा सितारों में से एक नीतीश कुमार रेड्डी सामने आये हैं। वह आईपीएल में हैदराबाद फ्रैंचाइजी के लिए अपने बेहतरीन प्रदर्शन से भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों की नजर में आये हैं गावस्कर ने कहा, पर्थ में अपने पहले टेस्ट मैच में ही यह स्पष्ट हो गया था कि यह एक ऐसा क्रिकेटर है जो हालातों को समझ सकता है और उसके अनुसार खेल सकता है। प्रत्येक अगले टेस्ट मैच के साथ वह बेहतर समझ वाला खिलाड़ी बनता गया है।

नीतीश ने पहले पर्थ और एडिलेड में 40 रन की पारियां दर्ज की थीं। वह हालांकि अपनी गेंदबाजी में सुधार करना चाहेंगे क्योंकि उन्होंने गेंद से बहुत कम प्रदर्शन किया है। गेंद के साथ क्षमता हासिल करने से उन्हें भारत के लिए एक अच्छे मैच विजेता ऑलराउंडर के रूप में उभरने में मदद मिलेगी। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के चार टेस्ट मैचों में नीतीश ने 294 रन बनाने के साथ ही 3 विकेट भी लिए।

गावस्कर ने कहा, मेलबर्न में, जब भारत मुश्किल में था, तो उन्होंने शानदार शतक बनाया जिसने आने वाले लंबे समय के लिए टीम में उनकी जगह पक्की कर दी।

विश्व कप जीतना चाहते हैं हरमनप्रीत

नई दिल्ली । भारत की सीनियर पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा है कि वह अपने करियर में आज तक विश्व कप में पदक नहीं जीत पाये हैं और इस कमी को 2026 में होने वाले टूर्नामेंट में पूरा करना चाहते हैं। भारत ने विश्व कप में अभी तक तीन पदक जीते हैं। उसने 1971 (बार्सिलोना) में कांस्य, 1973 में रजत (एम्स्टेलवीन, नीदरलैंड) और 1975 (कुआलालंपुर) में स्वर्ण पदक जीता था। इसके बाद से ही भारतीय टीम विश्वकप में पदक नहीं जीत पायी है। हरमनप्रीत तोक्यो और पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य थे। पेरिस ओलंपिक खेलों में उनकी कप्तानी में टीम ने कांस्य पदक जीता था। वह 2016 में लखनऊ में जूनियर विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य भी थे। हरमनप्रीत ने कहा कि हमारा लक्ष्य हमेशा ओलंपिक में स्वर्ण पदक और विश्व कप में पदक जीतना होगा। हमने पेरिस में जिस तरह से प्रदर्शन किया उससे पता चलता है कि हम किसी भी शीर्ष टीम का सामना करके जीत हासिल कर सकते हैं। हमने लंबे समय से विश्व कप में पदक नहीं जीता है और मैं अपने करियर में इसे जीतना चाहता हूं। हरमनप्रीत ने कहा कि उम्मीद है कि हम अपने करियर के दौरान उन सुनहरे दिनों को फिर से हासिल कर सकेंगे।

ऑकलैंड में बेहतर प्रदर्शन नहीं कर पायीं तो संन्यास लेंगी ओसाका

ऑकलैंड । जापानी की महिला टेनिस स्टार नाओमी ओसाका ने कहा कि अगर ऑकलैंड में एएसबी टेनिस क्लासिक में बेहतर प्रदर्शन नहीं कर पायीं तो खेल से संन्यास ले लेंगी। ओसाक अक्टूबर में चाइना ओपन में पीठ में आये खिंचाव के बाद से ही टेनिस कोर्ट से दूर हैं। अब वह वापसी करते हुए अपना पहला मुकाबला ऑकलैंड में खेलेंगी। इस टूर्नामेंट में ओसाका का पहला मुकाबला इस्राइल की लिना ग्लूश्को से होगा। ओसाका ने कहा कि इस साल उन्होंने अपने पहले बच्चे के जन्म के लिए लगभग 15 महीने के ब्रेक के बाद अपना पेशेवर करियर फिर से शुरू किया था और वह सत्र के अंत में 58वें स्थान पर रहीं। ओसाका ने कहा, ''मुझे नहीं लगता कि मैं ऐसी खिलाड़ी हूं जो उम्मीद के अनुरूप प्रदर्शन नहीं रहने पर खेलती रहूं।'' उन्होंने कहा, ''मैं टूर पर मौजूद सभी खिलाड़ियों का बहुत सम्मान करती हूं पर मैं अभी अपने जीवन में जिस जगह पर हूं, उसे देखते हुए अगर मैं एक एक तय स्थानसे ऊपर नहीं पहुंचती तो मैं आगे नहीं खेलना चाहूंगी।'' ओसाका ने कहा, ''अगर मैं उस रैंकिंग पर नहीं पहुंचती हूं जहां मुझे लगता है कि मुझे होना चाहिए तो मैं उसकी जगह पर अपनी बेटी के साथ समय बिताना अधिक पसंद करूंगी।'' ओसाका का इस जीत हार का एकल रिकॉर्ड 22–17 रहा है।

रोहित-विराट की जगह लेने के लिए खिलाड़ी हैं, बुमराह अगला कप्तान होगा : दो बार के विश्व कप विजेता

मेलबर्न (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व मुख्य कोच और दो बार के विश्व कप विजेता डेरेन लीमैन का मानना है कि भारतीय क्रिकेट के पास यशस्वी जायसवाल जैसा सुपरस्टार है और विराट कोहली तथा रोहित शर्मा के संन्यास के बाद भी भारतीय क्रिकेट में इस कमी को पूरा करने वाले खिलाड़ी होंगे। ऑस्ट्रेलिया के लिए एक दशक के करियर में 27 टेस्ट और 117 वनडे खेलने वाले लीमैन ने जसप्रीत बुमराह की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने कभी ऐसा खिलाड़ी नहीं देखा जिसका एक श्रृंखला पर इतना असर रहा हो।

मौजूदा श्रृंखला में खराब प्रदर्शन के कारण रोहित और कोहली के संन्यास की संभावना के बारे में लीमैन ने कहा, 'देखते हैं कि अगले कुछ दिन में क्या होता है और वे क्या फैसला लेते हैं। लेकिन वे लंबे समय से भारत के महान क्रिकेटर रहे हैं। अब युवा खिलाड़ी भारत के लिए बेहतरीन खेल रहे हैं। भारतीय क्रिकेट में इतनी गहराई है कि उन्हें चिंता करने की जरूरत नहीं है। जब भी ये दोनों संन्यास का फैसला लेते हैं तो उनकी जगह लेने के लिए काफी प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ी हैं।'

जायसवाल के बारे में उन्होंने कहा, 'सुपरस्टार। सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक। वह और हैरी ब्रूक अगली पीढ़ी के खिलाड़ी हैं। उसने मेलबर्न और पर्थ में शानदार पारियां खेली। इस दौरे पर वह एक खिलाड़ी के तौर पर काफी निखरा है।' बुमराह की तुलना वसीम अकरम और ग्लेन मैकग्रा से करते हुए उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि रोहित के बाद वह अगला कप्तान होगा। उसने पर्थ में शानदार प्रदर्शन किया। मैने जितने गेंदबाजों को खेलते देखा है, वह सर्वश्रेष्ठ है। मैंने वसीम अकरम और ग्लेन मैकग्रा को देखा है लेकिन किसी एक श्रृंखला में किसी गेंदबाज का इतना प्रभाव नहीं देखा जो 2013-14 एशेज में मिचेल जॉनसन के बाद अब बुमराह ने दिखाया है।'

बदलाव के दौर पर लीमैन ने कहा कि आस्ट्रेलिया को बल्लेबाजी में चिंता करने की जरूरत है हालांकि पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क, जोश हेजलवुड, स्कॉट बोलैंड जैसे गेंदबाज भी तीस पार कर चुके हैं। उन्होंने कहा, 'गेंदबाजी में कई अच्छे खिलाड़ी आ रहे हैं लेकिन बल्लेबाजी में सोचने की जरूरत है।'

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नव वर्ष 2025

विश्वभर में नया साल मनाने का तरीका भी अलग-अलग है. सभी धर्मों में नया साल एक उत्सव की तरह अलग-अलग अंदाज में अलग-अलग परंपराओं के साथ मनाया जाता है. दुनिया में सबसे अधिक देशों में ईसाई नव वर्ष मनाए जाने की परंपरा है. ईसाई वर्ष 1 जनवरी से शुरू होकर 31 दिसंबर तक 12 महीनों में बंटा हुआ है. खास बात यह है कि भले ही दुनिया के सभी धर्मों के रीति-रिवाज अलग-अलग हों लेकिन 1 जनवरी को सभी देशों में नए साल की धूम रहती है. विश्व में वर्ष के अंतिम कुछ क्षणों में आतिशबाज़ी करते हुए पुराने साल को विदा और नव वर्ष का स्वागत किया जाता है.

क्या है न्यू ईयर की कहानी?

हजारों साल पहले प्राचीन बेबीलोन में न्यू ईयर की शुरुआत हुई थी. परंतु उस समय नव वर्ष का यह उत्सव 21 मार्च को मनाया जाता था जो कि वसंत के आगमन की तिथि थी. जो हिन्दुओं का नववर्ष है. ग्यारह दिनों तक चलने वाले पर्व के रूप में यह वसंत ऋतु के पहले दिन से शुरू होता था. इसीलिए सितंबर सातवां, अक्टूबर आठवां, नवंबर नौवां और दिसंबर दसवां महीना माना जाता था. जैसा कि इनके नामों से स्पष्ट होता है. यह गणना रोमन कैलेंडर के अनुसार किया जाता था जो सातवीं शताब्दी बीसी से शुरू हुआ और यह चन्द्रमा के चक्र के मुताबिक था. रोमन कैलेंडर अटकलबाजी के बलबूते बनाया गया था. जो 1 मार्च से शुरू होता था. तब एक साल में 304 दिन और कुल 10 महीने हुआ करते थे. मार्च से लेकर दिसम्बर तक, इन महीनों के नाम इस तरह थे मर्सिअस, एप्रिलिस, मैयास, जूनियस, क़ुइन्तिलिस, सेक्सटिलिस, सेप्टेम्बर, ओक्टोबर, नोवेम्बर, और डिसेम्बर.लेकिन सन 1570 के आसपास पोप ग्रेगरी XIII ने क्रिस्टोफर क्लेवियस को एक नया कैलेंडर बनाने का जिम्मा सौंपा. इस तरह सन 1582 में ग्रेगोरियन कैलेंडर अस्तित्व में आया. तब से पूरी दुनिया में नए साल का उत्सव बदस्तूर 1 जनवरी को मनाया जाता है.

न्यू ईयर पर अमेरिका की बॉल ड्रॉपिंग परंपरा

वैसे तो विश्व में वर्ष के अंतिम कुछ क्षणों में आतिशबाजी करते हुए पुराने साल को विदा और नव वर्ष का स्वागत किया जाता है परंतु अमेरिका में यह उत्सव अलग तरीके से मनाया जाता है। यहाँ का 'बॉल ड्रॉपिंग' दुनिया का सबसे मशहूर बॉल ड्रॉपिंग कार्यक्रम है। यह कार्यक्रम न्यूयॉर्क शहर के टाइस स्वायर पर न्यू इयर्स ईव की मध्यरात्रि को होता है। इससे पहले डाउनटाउन मैनहट्टन के ट्रिनिटी चर्च के घंटे को सुनने के लिए आधी रात में लोग जमा होते थे। द न्यूयॉर्क टाइस ने सन 1904 में जन मानस को आकर्षित करने के लिए न्यूयॉर्क टाइस की ईमारत पर जोरदार आतिशबाजी की। इससे लोग आकर्षित तो हुए लेकिन पटाखों के कारण सड़कों पर गरम राख और पटाखों के टुकड़ों की बरसात हुई जो कि हानिकारक होने के साथ कचरा जमा होने का भी कारण बना इन्हीं वजहों से न्यूयॉर्क पुलिस ने वहां आतिशबाजी करने के कार्यक्रम पर प्रतिबंध लगा दिया। तब न्यूयॉर्क टाइस के मालिक एडोल्फ ऑस ने अपने चीफ इलेट्रिशियन वॉल्टर पाल्मर को नया रास्ता निकालने के लिए कहा। पाल्मर के डिजाइन के आधार पर ऑस ने आर्टक्राट स्ट्रॉस साइन कंपनी को लगभग 318 किलो की लोहे व लकड़ी से निर्मित और 25 वाट के 100 बल्बों से जड़ित बॉल बनाने की जिमेदारी दी। इस बॉल को पहली बार इलेट्रिसिटी का उपयोग कर सन 1908 के बॉल ड्रॉपिंग में प्रयोग किया गया।

भारतीय नव वर्ष

ग्रेगोरियन कलैंडर का अनुसरण वैसे तो पूरी दुनिया में हो रहा है लेकिन विभिन्न देशों में वहां की संस्कृति के अनुसार भी नया साल मनाने की परंपरा है। भारत में तो विभिन्न धर्म व संप्रदाय एक साथ रहते हैं। इन धर्मों व संप्रदायों के कैलेंडर भी अलग-अलग हैं अत: इनके नव वर्ष की तिथियां भी अलग-अलग होती हैं। हिंदू नववर्ष की बात करें तो यह चैत्र माह की शुल प्रतिपदा तिथि से आरंभ होता है जो कि अंग्रेजी कैलेंडर वर्ष के अनुसार मार्च-अप्रैल माह में पड़ता है।

नववर्ष को जिन्दगी का सबसे बड़ा वर्ष कैसे बनाये ?

लीजिये, हंसता और मुस्कुराता, खिलखिलाकर नव उल्लास बिखराता, निराशा को भगाता और आशा को बटोरता नया वर्ष फिर से आ गया। चारों ओर देखिये, पेड़ नये पत्तों और कलियों के आगमन से कैसे झूम रहे हैं। पेड़-पौधे मुक्तहस्त होकर सुगंध बांट रहे हैं। भला कौन वह मूर्ख होगा, जो परिवार में आ रहे नये सदस्यों को देख खुश न हो। पशु हो या पक्षी, मानव हो या वनस्पति; सब पुराने के जाने पर दुखी होते हैं; पर वह दुख नवआगत के स्वागत के कारण धूमिल भी हो जाता है। यही सृष्टि का नियम है, इसलिए आज सब खुश है। आखिर क्यों न हों, नया साल जो आया है।

दोस्तों, हर देश व संस्कृति में अलग अलग तारीख में नया वर्ष मनाये जाने की परम्परा पहले से ही चली आ रही है. लोग अलग अलग तरीके से इस आयोजन को मानते है, जैसे कोई दारू पीता है तो कोई पार्टी करता है, कही लोगो व्यर्थ में बैठे रहते है तो कोई मजे के नाम पर समय व पैसो की बर्बादी करता है. लेकिन कुछ लोग खुद में सुधार के लिए अच्छा काम भी करते है लेकिन समय बीतने के साथ ही वह अपने संकल्पों को जान-बूझकर तोड़ देते है और पुराने ढर्रे पर ही वापस आ जाते है. एक साल में ही 'ढाक के तीन पात' वाली स्थिति नज़र आने लगती है। वैसे भी किसी नयी शुरुआत के लिए नये साल या किसी मुहूर्त की प्रतीक्षा ही क्यों करना ? इस बार हम नये साल क्या हर साल व हर क्षण को सार्थक करने के कुछ सरल तरीके बता रहे हैं जिसमे आपको अपने अंदर कुछ ज्यादा बदलाव करने की जरूरत नहीं है बल्कि आपको इन्हें तुरंत ही तन-मन-धन से भी अधिक ध्यान से अपनाने की जरूरत होगी.

अपनी कमाई और खर्चो का लेखा-जोखा रखें -

दोस्तों, इस नव वर्ष में आपको सबसे पहले अपने खर्चे व होने वाली कमाई का एक लेखा जोखा जरुर रखना चाहिए. एक ऐसा लेखा जोखा बनायें जिसमें हर दिन के हिसाब से अपने प्रत्येक छोटे-से-छोटे खर्चे का भी उल्लेख करें किन्तु ध्यान रखें कि किसी को बुरा न लगे या किसी पर किया गया खर्चा 'अहसान जताने' जैसा न हो. हो सके तो ऐसा लगे भी ना ! आप अपना लेखा जोखा शुरू करोगे तो आपको अपने व्यर्थ खर्चो को ष्श्ठ्ठह्लह्यश्च कर सकोगे साथ ही साथ इससे आपको विलासादि जैसे व्यर्थ खर्चे न्यूनतम करते हुए शून्य करने व अच्छे काम में किये गये खर्चो को बढ़ाने में सहायता होगी।

ब्रह्ममुहूर्त में उठने की आदत बनायें -

दोस्तों, हमारे लिए सुबह उठना काफी फायदेमंद होता है और इससे हमारी बॉडी तरोताजा रहती है. सुबह जल्दी उठने से हमारे पास एक्स्ट्रा टाइम भी होता है. इसलिए सुबह सूर्य की पहली किरण पहुँचने से पहले उठकर स्नान करने की आदत एक बार बना ली तो यह बात गाँठ बाँध लीजिए कि आप अपनी पुराणी स्थिति की अपेक्षा अधिक सहज रहेंगे. आपका समय-प्रबन्धन अब कुछ ठीक प्रकार से हो जायेगा व आप दिन-रात ताम-झाम में डूबी रहने वाली व टाइम नहीं है जैसी समस्याओं से दूर हो जाओगे. अब आपके पास समय ही समय होगा और अपने दिन भर के काम आप एक ही दिन में पूरे करने लगोगे.

अपनी डायरी मैण्टैन करें -

टी.वी. के सामने व्यर्थ बैठे रहने, शराब, धूम्रपान करने में जो आपने अपना नुकसान किया उसकी सारी विवरण, कार्य व समय इत्यादि के अनुसार प्रतिदिन इस प्रकार लिखें कि जिस दिन आप उस निरर्थकता से बचे तो आपको आनन्द आयेगा व संतोष का अनुभव होगा तथा गम्भीरता से पालन किया तो किसी दिन ऐसी स्थिति भी आ जायेगी कि आपको यह सब लिखने की जरूरत भी अनुभव नहीं होगी या आप पूरी तरह से सुधर चुके होंगे। जब भी कोई उल्लंघन करें तो अपने आप को कुछ सज़ा दें, जैसे कि अगले दिन चाय-काफ़ी बिल्कुल न पीयें, कल साईकल ही चलायें, कल 10-10 मिनटस तक कम से कम तीन बार रस्सी कूदें इत्यादि। ग़लती को दोहराने पर सज़ा की मात्रा व तीव्रता बढ़ा दें ताकि स्वयं को संदेश जाये कि अबकी बार अधिक सावधानी बरतनी है, या दण्ड झेलना और कठिन हो जायेगा।

मिट्टी के दो कटोरे में डेली पानी भरे -

हाट जाकर देसी मिट्टी से बने दो सकोरे लायें जिन्हें प्रतिदिन धो-धोकर एक सकोरे में पेयजल भरें व दुसरे में मिश्रित देसी साबुत अनाज को मिक्स करके रखे, स्थानीय किराना दुकान या अनाज-व्यवसायी से बोलें. समस्त देसी व साबुत अनाजों का एक मिश्रण तैयार कर दें। शहर हो या गाँव हर स्थिति-परिस्थिति में पक्षियों व गिलहरियों को स्वच्छ पेयजल व पौष्टिक व स्वादिष्ट शुद्ध भोजन की कमी की सतत पूर्ति का यह सबसे सरल उपाय है एवं हम सबके 'मनुष्य' होने को परिभाषित करता ईश्वरीय उत्तरदायित्व भी।

कील-तार-सीमेण्ट-क्रांक्रीट से करें मुक्त -

आपने देखा होगा की कई बार कई पेड़ - पौधे तार व अन्य चीजो से दब जाते है या उनके ऊपर किसी सामान का बोझ लदा रहता है जिस कारण वह पौधे या तो टूट जाते है या उनका विकास नहीं हो पाता. इसलिए हर दिन लेखा-जोखा रखें कि आज आसपास या आपके घर से दूर कितने पेड़ों से आपने कीलें निकालीं, उनसे तार हटाये, उनका दम घोंट रही क्रांक्रीट अथवा सीमेण्ट को दूर किया. इसके लिये अपने पास प्लायर, कैंची, लौहे की छोटी-सी राड, खुरपी इत्यादि का एक पैकेट रखें जो अन्य कई कार्य भी आयेगा।

जीव जन्तुओ की सेवा की साप्ताहिक रिपोर्ट कार्ड -

अपनी आँखों को खुला रखकर घर से बाहर निकलें, जहाँ भी कोई पशु-पक्षी घायल, भूखा-प्यासा या अन्य किसी भी प्रकार से रोगी व ज़रूरतमंद लगे तुरंत रुककर उसे सहायता पहुँचायें, आवश्यकता पड़ने पर खुद ट्राली या ऑटो की व्यवस्था करवाकर उसे चिकित्सालय पहुँचायें. उसकी निगरानी करें व जरूरत पड़ने पर डाक्टर इत्यादि को बुलवाने का भी ख्याल रखें। वैसे भी ये कार्य करने में उतने कठिन नहीं होंगे परन्तु यदि पैसो से जुड़ी जैसी कोई समस्या या अन्य कोई बात आड़े आये तो भी परिचितों व अपरिचितों से सहायता माँगने में संकोच न करें।

बीज व वृक्षारोपण करे -

अपने साथ यहाँ-वहाँ से इकट्ठे किये गये बीज (जैसे सीताफल, बकायन, आम, चीकू, जामुन, शीशम) रखें जिन्हें आप आते-जाते मार्ग में जहाँ-जहाँ या नम व कुछ सुरक्षित-सी लगने वाले भूमि में एक छोटी-सी लकड़ी से खोदकर गड़ाते चलें जिनमें से यदि 5 प्रतिशत भी पेड़ बने तो आपका समूचा प्रयास सफल ही कहा जायेगा. स्थानीय नर्सरी से कुछ ऐसे पेड़ खरीदे जो लोगों को बहुत भायेंगे, जैसे कि तेजपत्ता, दालचीनी, मीठी नीम, कपूर, गुग्गल, अमरूद, अनार, बेलपत्र, नारियल आदि, जहाँ-तहाँ पूछताछ जारी रखें व यदि कोई भूस्वामी, मकान-मालिक, मंदिर-पुजारी या दुकानदार अपने इलाके या अधिकार क्षेत्र में वह प्रजाति लगवाना चाहे तो वहाँ स्वयं अपने हाथों से लगाकर आयें व उसकी सुरक्षा व नियमित पानी देने का निवेदन भी करके आयें. आपके द्वारा की गयी यह पहल आपके पुण्य तो बढ़ायेगी ही, साथ में हरियाली बढ़ाने के साथ सौहार्द्र बढ़ाने में भी प्रमुख भूमिका निभायेगी. यदि वृक्ष सुरक्षा-कवच बनाना हो तो तीन-चार मजबूत डण्डे, बाँस, पुरानी पड़ी राड्स गड़ाकर.. ठौंककर या गड्ढे खोदकर व रस्सियाँ या बेर-बबूल के काँटों से आप बड़ी आसानी से यह भी कर सकते हैं।

बिना स्वार्थ के कर्म करे -

स्वार्थ या अपने कुल-कुटुम्ब के लिये तो कुत्ता भी बहुत कुछ कर ही लेता है परन्तु नि:स्वार्थ भाव से या परायों के लिये, पेड़-पौधों व पशु-पक्षियों, अनाथों-बूढ़ों, अपरिचितों इत्यादि के लिये कुछ किया हो तो भगवान् को लगे कि आपको मानव जन्म प्रदान करना सार्थक हो रहा है. इस बात को समझने के लिए आप हमारा जीवन की सार्थकता के 41 मार्ग यह आर्टिकल जरुर पढ़ा जा सकता है। उपरोक्त सम्पूर्ण डाटाबेस हर दिन के आधार पर तैयार करना है, यह नहीं कि भूल गये या बाद में लिखेंगे। नया साल चाहे जब आये, आप तो अभी से आरम्भ करें, शुभस्य शीघ्रम् ! श्रीगणेश करें...

अंग्रेजी नववर्ष का भारतीयकरण

अंग्रेजी या ईसाई नववर्ष दुनियां के उन देशों में मनाया जाता है जिन पर कभी अंग्रेजों ने राज किया था। हर देश अपने इतिहास और मान्यताओं के अनुसार नव वर्ष मनाता है। भारत में प्राय: सभी संवत्सर चैत्रा शुल प्रतिपदा से प्रारम्भ होते हैं पर प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध के बाद अमरीका और ब्रिटेन का वर्चस्व दुनियां में बढ़ गया। इन दोनों के ईसाई देश होने से कई अन्य देशों में भी ईसाई वेशभूषा, खानपान, भाषा और परपराओं की नकल होने लगी। भारत भी इसका अपवाद नहीं है।

एक बार फिर एक जनवरी आएगी। हर बार की तरह समाचार माध्यमों ने वातावरण बनाना प्रारभ कर दिया है। 31 दिसबर की रात और एक जनवरी को दिन भर शोर-शराबा होगा। लोगों ने एक दूसरे को बधाई लेंगे और देंगे। सरल मोबाइल संदेशों (एसएमएस) के आदान-प्रदान से मोबाइल कंपनियों की चांदी कटेंगे। रात में बारह बजे लोग शोर मचाएंगे। शराब, शवाब और कवाब के दौर चलेंगे। इसके अतिरित और भी न जाने लोग कैसी-कैसी मूर्खताएं करेंगे जरा सोचिये, नये दिन और वर्ष का प्रारभ रात के अंधेरे में हो, इससे बड़ी मूर्खता और क्या हो सकती है।

यह बात आज तक समझ में नहीं आई कि यदि ईसा मसीह का जन्म 25 दिसबर को हुआ था तो जिस वर्ष और ईसवी को उनके जन्म से जोड़ा जाता है, उसे एक सप्ताह बाद एक जनवरी से क्यों मनाया जाता है । वस्तुत: ईसा का जन्म 25 दिसबर को नहीं हुआ था। चौथी शती में पोप लाइबेरियस ने इसकी तिथि 25 दिसबर घोषित कर दी, तब से इसे मनाया जाने लगा। तथ्य तो यह भी है कि ईसा मसीह के जीवन के साथ जो प्रसंग जुड़े हैं, वे बहुत पहले से ही योरोप के अनेक देशों में प्रचलित थे। उन्हें ही ईसा के साथ जोड़कर एक कहानी गढ़ दी गयी। इससे इस संदेह की पुष्टि होती है कि ईसा नामक कोई व्यित हुआ ही नहीं वरना यह कैसे संभव है कि जिस तथाकथित ईश्वर के बेटे के दुनियां में अरबों लोग अनुयायी हैं, उसकी ठीक जन्म-तिथि ही पता न हो। जैसे भारत में 'जय संतोषी मां' नामक फिल्म ने कई वर्ष के लिए एक नयी देवी को ह्रश्चातिष्ठित कर दिया था। कुछ ऐसी ही कहानी ईसा मसीह की भी है

इसके दूसरी ओर भारत में देखें तो लाखों साल पूर्व हुए श्रीराम और 5,000 से भी अधिक वर्ष पूर्व हुए श्रीकृष्ण ही नहीं तो अन्य सब अवतारों, देवी-देवताओं और महामानवों के जन्म की प्रामाणिक तिथियां सब जानते हैं और उन्हें हर वर्ष धूमधाम से मनाते भी हैं। लेकिन फिर भी नव वर्ष के रूप में एक जनवरी प्रतिष्ठित हो गयी है, लोग इसे मनाते भी हैं, इसलिए मेरा विचार है कि हमें इस अंग्रेजी पर्व का भारतीयकरण कर देना चाहिए। इसके लिए भविष्य में निन कुछ प्रयोग किये जा सकते हैं। एक जनवरी को अपने गांव या मोहल्ले में भगवती जागरण करें। अपने घर, मोहल्ले या मंदिर में श्रीरामचरितमानस का अखंड पारायण प्रारभ करें। एक जनवरी को प्रात: सामूहिक यज्ञ का आयोजन हो।

एक जनवरी को भजन गाते हुए प्रभातफेरी निकालें। सिख, जैन, बौद्ध आदि मत और पंथों की मान्यता के अनुसार कोई धार्मिक कार्यक्रम करें। एक जनवरी को प्रात: बस और रेलवे स्टेशन पर जाकर लोगों के माथे पर तिलक लगाएं। एक जनवरी को निर्धनों को भोजन कराएं। बच्चों के साथ कुष्ठ आश्रम, गोशाला या मंदिर में जाकर दान-पुण्य करें। ये कुछ सुझाव हैं। यदि इस दिशा में सोचना प्रारभ करेंगे तो कुछ अन्य प्रयोग और कार्यक्रम भी ध्यान में आएंगे। हिन्दू पर्व मानव के मन में सात्विकता जगाते हैं चाहे वे रात में हों या दिन में जबकि अंग्रेजी पर्व नशे और विदेशी संगीत में डुबोकर चरित्राहीनता और अपराध की दिशा में ढकेलते हैं। इसलिए जिन मानसिक गुलामों को इस अंग्रेजी और ईसाई नववर्ष को मनाने की मजबूरी हो, वे इसका भारतीयकरण कर मनाएं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जनवरी में मिल जाएगा बीजेपी को नया अध्यक्ष, संगठन में बदलाव की कवायद

–संक्रांति तक कम से कम आधे राज्यों को मिल जाएंगे नए अध्यक्ष

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा बीते चार सालों से ज्यादा समय से बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर विराजमान हैं। उनका कार्यकाल बीते साल ही समाप्त हो गया था, लेकिन लोकसभा चुनाव के चलते इसे बढ़ा दिया गया था। अब चुनाव के नतीजे आए 6 महीने से ज्यादा वक्त हो चुका है, लेकिन अब तक बीजेपी अध्यक्ष नड्डा ही हैं।

इस बीच पार्टी में संगठन में बदलाव की कवायद तेज कर दी है। सूत्रों का कहना है कि मकर संक्रांति के बाद बीजेपी को नया अध्यक्ष मिल सकता है। इसे लेकर बैठकें शुरू हो चुकी हैं और जल्द ही किसी नाम पर मुहर लग सकती है। सूत्रों का कहना है कि भूपेंद्र यादव, अनुराग सिंह ठाकुर, शिवराज सिंह चौहान समेत कई ऐसे नेता हैं, जिन्हें अध्यक्ष बनाने का फैसला हो सकता है।

पार्टी 15 जनवरी तक जिला और राज्य के अध्यक्ष बना लेना चाहती है। संक्रांति तक कम से कम आधे राज्यों को नए अध्यक्ष मिल जाएंगे और फिर राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव कराया जाएगा। सूत्रों से खबर मिली है कि महीने के अंत तक पार्टी को नया अध्यक्ष तय हो जाएगा। रविवार को बीजेपी ने इस संबंध में मुख्यालय में बैठक की। इस बैठक में संगठन महामंत्री बीएल संतोष के अलावा जेपी नड्डा समेत कई अधिकारी मौजूद थे। इस बैठक में संगठन पर्व को लेकर भी चर्चा हुई। पार्टी का मानना है कि एक फुल प्रूफ व्यवस्था होनी चाहिए, जिससे पता चल सके कि कौन संगठन से जुड़ रहा है।

बता दें कि इस साल अक्टूबर में बीजेपी ने 10 करोड़ सदस्यों का आंकड़ा पार कर लिया था। रविवार को जेपी नड्डा और बीएल संतोष ने संगठन चुनाव का जायजा लिया। एक पदाधिकारी ने कहा कि हमने संगठन के सभी पहलुओं पर विचार किया। इस बैठक में यह भी तय हुआ है कि अटल बिहारी वाजपेयी की 100वीं जयंती को पूरे साला मनाया जाएगा। साल भर इस अवसर पर अलग-अलग कार्यक्रम होंगे। फिलहाल पार्टी का जोर इस बात पर है कि मकर संक्रांति तक जिला और राज्यों के अध्यक्ष तय कर लिए जाएं। उसके बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया शुरू की जाए।

उधमपुर में बारिश से खिले किसानों के चेहरे, चार महीने से कर रहे थे इंतजार

उधमपुर। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले में किसानों को बारिश के से राहत मिली है। किसान चार महीने के सूखे के कारण फसलों को लेकर अनिश्चित परिस्थितियों से जूझ रहे थे। पिछले चार महीनों से किसान सूखे खेतों और सूख रही फसलों से जूझ रहे हैं। हाल की बारिश ने उन्हें अपनी फसलों के लिए एक नई आशा से भर दिया है। उधमपुर के डेबरा गांव के किसान ने कहा कि अगर बारिश नहीं होती तो फसलें बर्बाद हो जातीं। बारिश के बिना सब्जी की फसलें सूख रही हैं, जिससे वे चिंतित थे। उन्होंने कहा कि हम पिछले चार महीनों से बारिश का इंतजार कर रहे थे। अगर बारिश नहीं होती तो हमारी फसलें बर्बाद हो जातीं। उन्होंने आगे कहा कि बारिश फसलों के लिए अच्छी है और उन्हें अच्छा मुनाफा होगा। किसानों ने कहा कि हमने ऐसी सब्जियां लगाई हैं जिनमें पूरी गोभी, बंद गोभी, मूली, शलजम, पालक, सरसों और आलू हैं। जिन फसलों को नुकसान हुआ है, उनमें से कई आलू कोहरे के कारण जल गए हैं। अन्य फसलों को भी काफी नुकसान हुआ है। किसानों ने कहा कि बारिश से किसान खुश हैं और अगर बारिश नहीं होती तो हमारे लिए मुश्किल होती। किसान भगवान का शुक्रिया अदा कर रहे हैं कि ये जो भी बारिश हुई है, ये हमारे और बाकी लोगों के लिए बहुत फायदेमंद है। तो यह जो फसल हम लगा रहे हैं वह पूरी तरह से हम पर निर्भर है। यह वर्षा चार माह से रुकी हुई थी और अब वर्षा हो रही थी।

दिल्ली पुलिस ने अवैध रुप से रह रहे बांग्लादेशी मां-बेटे को किया गिरफ्तार

–2020 में पश्चिम बंगाल की सीमा से भारत में किया था प्रवेश

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने अवैध रूप से रह रहे दो बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। इनकी पहचान नईम खान और उसकी मां नजमा खान के रूप में हुई है। नईम बांग्लादेश के खुलना जिले के ग्राम सुंदर गुना का रहने वाला है। नईम ने 2020 में पश्चिम बंगाल की सीमा से भारत में प्रवेश किया था। मां-बेटा कटवारिया सराय में रहते हैं। पुलिस को 29 दिसंबर को गुप्त सूचना मिली कि एक संदिग्ध बांग्लादेशी नागरिक दिल्ली के पिप्पल चौक स्थित शास्त्री मार्केट में मौजूद है। सूचना पर पुलिस ने नईम को गिरफ्तार किया और वेरिफाई किया तो बांग्लादेशी होने का पता चला। नईम ने बताया कि उसके परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर थी, जिसके कारण वह स्कूल नहीं जा सका और भारत में अवैध रूप से प्रवेश किया है। मां नजमा भी 20 साल पहले बेनापोल सीमा से भारत आई थी और कटवारिया सराय में घरेलू काम करती थीं। पुलिस ने दोनों को हिरासत में लेकर बांग्लादेश डिपोर्ट कर दिया। पुलिस ने कहा कि वे अन्य अवैध प्रवासियों की पहचान के प्रयास कर रही है। यह कार्रवाई दक्षिण पश्चिम जिला पुलिस द्वारा दिल्ली में अवैध प्रवासियों की पहचान और उनका निष्कासन करने के लिए उठाए गए कदमों का हिस्सा है। इससे पहले दिल्ली में पकड़े गए 12 अवैध रोहिंग्याओं को लेकर साउथ ईस्ट दिल्ली के डीसीपी ने बताया कि सभी को डिटेंशन कैंप भेजा जाएगा। अवैध रूप से रह रहे रोहिंग्याओं को लेकर सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। इस साल 12 बांग्लादेशियों को पकड़ा है। भारत में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशियों पर दिल्ली पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है।

महाकुंभ मे जारी होगी, घर वापसी की हिंदू संहिता

–2025 में गैर हिंदुओं की घर वापसी का अभियान

लखनऊ। हिंदू संगठनों द्वारा महाकुंभ में एक नई हिन्दू आचार संहिता प्रस्तुत की जाएगी। 25 से 27 जनवरी के बीच महाकुंभ में उपस्थित साधु संत इस हिंदू आचार संहिता पर अपनी मुहर लगाएंगे। काशी विदत परिषद के नेतृत्व में देश के प्रमुख साधु संतों से विचार विमर्श कर 360 पेज की आचार संहिता को देश भर में लागू किया जाएगा। हिंदू आचार संहिता में हिंदू धर्म छोड़कर अन्य धर्म को अपनाने वालों की घर वापसी के नियमों को काफी सरल बनाया गया है। समाज में भेदभाव खत्म करने और जाति विहीन समाज का निर्माण करना इसका मुख्य आधार होगा। एक देश और एक चुनाव की तरह एक देश और सभी हिंदू जैसी परिभाषा को सामने रखकर घर वापसी का अभियान शुरू किया जाएगा। विद्त परिषद के महामंत्री तथा बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के धर्मशास्त्र विभाग के प्रोफेसर रामनारायण द्विवेदी ने इसे तैयार किया है। उन्होंने कहा कि यह समय की जरूरत है। उन्होंने कहा कि परिषद ने देबल स्मृति और पराशर स्मृति को नई हिंदू आचार संहिता का आधार बनाया है। नई हिंदू आचार संहिता में जल और तुलसी को हिंदू धर्म आस्था का मुख्य आधार बनाया गया है। मन से हिंदू होने का संकल्प कराकर हिंदू धर्म में वापसी का अभियान चलाया जाएगा। परिषद का दावा है, उसने 5 साल के अध्ययन के पश्चात नई हिंदू आचार संहिता तैयार की है। इसमें श्रीमद् भागवत गीता, रामायण, महाभारत और पुराणों को भी आधार बनाया गया है। 2025 के महाकुंभ में सभी साधु संतों की सहमति से इसे अभियान के रूप में देशभर में लागू किया जाएगा। ताकि गैर हिंदुओं की हिंदू धर्म में वापसी हो। जाति विहीन हिंदू समाज की संरचना हो सके।

गणतंत्र दिवस कैंप में शामिल होंगे 28 राज्यों के 2 हजार 361 एनसीसी कैडेट

नई दिल्ली।एनसीसी के गणतंत्र दिवस कैंप-2025 की सोमवार को राजधानी के करिअप्पा परेड ग्राउंड में सर्वधर्म पूजा के साथ हुई। एक महीने तक चलने वाले इस कैंप में देश के 28 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से कुल 2 हजार 361 कैडेट भाग लेंगे। इनमें 917 लड़कियां हैं। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि अगले महीने 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के राष्ट्रीय आयोजन को ध्यान में रखते हुए इस मासिक कैंप का आगाज किया है। इसमें भाग ले रही लड़कियों की संख्या सर्वाधिक है। कैंप की शुरुआत के अवसर पर राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल गुरबीरपाल सिंह ने युवा कैडेटों का स्वागत किया और उन्हें इस सबसे प्रतिष्ठित शिविर में चयन के लिए बधाई दी। उन्होंने कैडेटों को राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ धर्म, भाषा, जाति से ऊपर उठकर चरित्रता, ईमानदारी, निस्वार्थ सेवा, भाईचारे और समूह कार्य के सर्वोच्च गुण प्रदर्शित करने की सलाह दी।

यमन में भारतीय नर्स को मिली सजा-ए-मौत, सरकार कर रही हर संभव मदद

–पार्टनर की हत्या के जुर्म में जेल में बंद है निमिषा, ब्लड मनी का है विकल्प

नई दिल्ली। केरल की रहने वाली निमिषा प्रिया को यमन में एक नागरिक की हत्या के लिए मौत की सजा सुनाई गई है। विदेश मंत्रालय (एमईए) के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मंगलवार को घोषणा की कि वह केरल की नर्स निमिषा प्रिया को हर संभव मदद प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा कि हम समझते हैं कि प्रिया का परिवार प्रासंगिक विकल्पों पर विचार कर रहा है। सरकार इस मामले में हर संभव मदद कर रही है। यह बयान यमन के राष्ट्रपति रशद अल-अलीमी की ओर से निमिषा प्रिया की मौत की सजा को हाल ही में मंजूरी दिए जाने के बाद आया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक महीने में निमिषा को फांसी हो सकती है, जिससे परिवार सदमे में है और उसे बचाने के लिए हर संभव कोशिश कर रहा है। निमिषा की माँ प्रेमा कुमारी, मौत की सज़ा माफ करवाने के लिए कोशिश कर रही है। इस साल की शुरुआत में वह यमन की राजधानी सना भी गई थीं। इस यात्रा का मकसद यमन में इंटरनेशनल एक्शन काउंसिल की मदद से मृतक के परिवार को ब्लड मनी के भुगतान पर बातचीत करना था। बल्ड मनी यमन में यह एक पारंपरिक प्रथा है जिसके कारण प्रिया की सजा कम की जा सकती है। केरल के पलक्कड़ जिले के कोलेंगोडे की नर्स निमिषा प्रिया 2008 में यमन चली गई थीं। उन्होंने कई अस्पतालों में काम किया और आखिरकार अपना खुद का क्लिनिक खोलने का फैसला किया था। 2017 में निमिषा प्रिया और उनके यमनी बिजनेस पार्टनर तलाल अब्दो महदी के बीच विवाद हो गया। निमिषा पर महदी की हत्या का आरोप है। तब से वह जेल में है। 2020 में सना शहर की एक ट्रायल कोर्ट ने उसे मौत की सजा सुनाई और यमन की सर्वोच्च न्यायिक परिषद ने नवंबर 2023 में फैसले को बरकरार रखा, हालांकि इसने ब्लड मनी का विकल्प खुला रखा।

राहुल गांधी विपक्ष के नेता नहीं, बाउंसर की तरह कर रहे थे व्यवहार

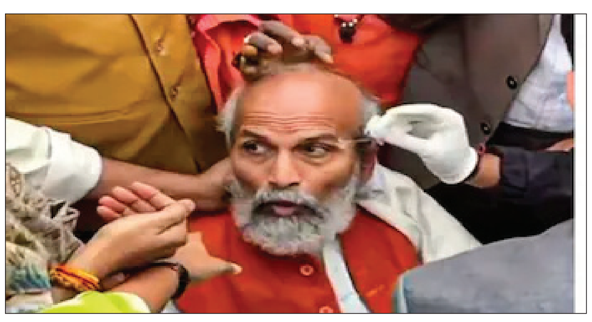

* संसद में धक्का-मुक्की को लेकर बीजेपी सांसद सारंगी ने लगाए आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीजेपी सांसद प्रतापचंद्र सारंगी ने एक बार फिर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की आलोचना करते हुए उनके व्यवहार को लोकसभा में विपक्षी नेता के पद के लिए उपयुक्त होने के बजाय बाउंसर बताया है। संसद में हाथापाई के बाद घायल सारंगी ने कहा कि वह अब तुलनात्मक रूप से बेहतर हैं और उन्हें 28 दिसंबर को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है।

बता दें 19 दिसंबर की संसद में हुई धक्का-मुक्की की घटना को याद करते हुए सारंगी ने कहा कि यह तब हुआ जब हम सभी बीजेपी सांसद एक प्रवेश द्वार के पास खड़े थे, शांतिपूर्वक तख्तियां लिए हुए अंबेडकर के अपमान के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अचानक राहुल गांधी अपनी पार्टी के कुछ साथियों के साथ आए और लोगों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने लगे। वह लोकसभा में विपक्ष के नेता की तरह नहीं, बल्कि एक बाउंसर की तरह व्यवहार कर रहे थे।

सारंगी ने दावा किया कि गेट के पास गांधीजी के लिए बिना किसी व्यवधान के गुजरने के लिए पर्याप्त जगह थी। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने सामने खड़े सांसद मुकेश राजपूत को धक्का दे दिया। राजपूत मेरे ऊपर गिर गए और मेरा सिर पत्थर जैसी वस्तु के कोने से टकराया, जिससे मैं घायल हो गया। उन्होंने कहा कि जब किसी ने उन्हें घटना की जानकारी दी तो राहुल गांधी मेरे पास आए लेकिन वह बिना कोई वास्तविक चिंता दिखाए तुरंत चले गए।

किसानों की महापंचायत में राकेश टिकैत ने की सरकार से बात करने की अपील

– टिकैत ने कहा, किसानों की मांगें नहीं मानी गई तो आंदोलन के लिए रहेंगे तत्पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। ग्रेटर नोएडा के जीरो प्वाइंट पर भारतीय किसान यूनियन ने एक महापंचायत बुलाई, जिसमें राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत भी शामिल हुए। पंचायत के दौरान टिकैत ने सरकार को चेतावनी दी कि यदि किसानों की मांगों को नहीं माना गया तो वे आंदोलन बढ़ाने के लिए तत्पर हैं। उन्होंने कहा ?कि हमें अपनी मांगों के लिए आंदोलन में जारी रहना होगा। टिकैत ने व्यक्त किया कि देश में उचित दाम बढ़ने के बावजूद किसानों की जमीन की कीमतों में क्यों वृद्धि नहीं हो रही है। उन्होंने कहा कि अगर सरकार उसकी बात नहीं सुनेगी, तो आंदोलन को और व्यापक बनाना होगा। पंचायत के बाद, प्रशासन के एक

प्रतिनिधिमंडल ने किसानों से बातचीत के लिए मुलाकात की। इसमें प्रशासन ने किसानों की समस्याओं पर किए गए प्रयासों के बारे में जानकारी दी और 7 जनवरी को किसानों के साथ एक बैठक का भी ऐलान किया। इस बैठक में सभी मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। टिकैत ने कहा कि अधिकारियों को किसानों से संवाद करने की जरूरत है। उन्होंने कुछ मुद्दों पर विचार किया, जैसे भूमि अधिग्रहण, एमएसपी गारंटी कानून, और फसलों के दाम। उनका कहना था कि सरकार की सहयोग के बिना किसानों की समस्याएं हल नहीं हो सकतीं। इस प्रकार ग्रेटर नोएडा में किसानों के मुद्दों पर चर्चा और समझौता की दिशा में कदम बढ़ाने की मांग उठाई गई है। सरकार और किसानों के बीच भावनात्मक संवाद के माध्यम से समस्याओं का समाधान करने की आशा की जा रही है।

डल्लेवाल का आज 36वें दिन भी जारी है अनशन, किसानो से चर्चा करेगा सुप्रीम कोर्ट का पैनल

नई दिल्ली (एजेंसी)। आज सुप्रीम कोर्ट आमरण अनशन पर बैठे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल के स्वास्थ्य को लेकर सुनवाई करने वाला है। डल्लेवाल पिछले 35 दिनों से भूख हड़ताल कर रहे हैं। उन्होंने अस्पताल में इलाज करवाने से इनकार कर दिया है। पिछली सुनवाई में भी सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब सरकार का फटकार लगाते हुए कहा था कि उन्हें किसी तरह इलाज के लिए मनाया जाए।

वहीं सुप्रीम कोर्ट द्वारा बनाया गया पैनल भी 3 जनवरी को किसानों से बात करने वाला है। सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट के पूर्व जज नवाब सिंह की अध्यक्षता में पैनल बनाया था। पैनल ने किसानों को वर्चुअल मीटिंग के लिए न्योता भेज दिया है। पैनल में हरियाणा के पूर्व डीजीपी बीएस संधू, कृषि एक्सपर्ट देविंदर शर्मा, प्रोफेसर रंजीत सिंह घुम्मन और पंजाब कृषि विश्वविद्यालय लुधियाना के प्रोफेसर डॉ. सुखपाल सिंह शामिल हैं।

किसान प्रतिनिधियों ने कन्फर्म किया है कि उन्हें 3 जनवरी को बातचीत करने का न्योता मिला है। कमेटी बनाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि किसानों से बात करके उनकी समस्याओं को सुना जाए और उनसे हाइवे के पास से ट्रैक्टर, ट्रॉली और टेंट हटाने का आग्रह किया जाए। बेंच ने कहा था, हमें लगता है कि किसानों को विश्वास में लेना सबसे ज्यादा जरूरी है। बिना देरी के शंभू बॉर्डर और हाइवे से किसानों को हटाने के लिए कमेटी जो भी सुझाव देगी उस पर गंभीरता से विचार किया जाएगा। इससे आम जनता को भी बड़ी राहत मिलेगी। इसके अलावा किसानों को भी राजनीतिक दलों से दूरी बनाकर रखनी चाहिए।बता दें कि सोमवार को सुबह 7 बजे से शाम के 4 बजे तक पंजाब में कई जगहों पर बंद काअसर दिखाई दिया। वंदेभारत सहित 172 ट्रेनों को रद्द कर दिया गया। वहीं 232 ट्रेनें प्रभावित हुईं। बड़ी संख्या में दुकानें और कारखाने भी बंद रहे। केकेएम और एसकेएम एनपी ने भी इस बंद का समर्थन किया। केकेयू के प्रेसिडेंट दर्शन पाल सिंह ने कहा. हमारे किसानों ने भी 12 जिलों में बंद का समर्थन किया। हम शंभू बॉर्डर और खनौरी बॉर्डर पर बैठे किसानों की मांगों का समर्थन करते हैं।

बिहार में विपक्षी गठबंधन में तनातनी, तेजस्वी के लिए खड़ी हो रहीं चुनौतियां

पटना (एजेंसी)। बिहार में विपक्षी गठबंधन में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। यहां जो खबरें आ रहीं है उसके आधार पर चर्चा होने लगी है कि यदि ऐसा ही चलता रहा तो आने वाले समय में तेजस्वी यादव की राह में कई तरह की चुनौतियां खड़ी हो जाएंगी।एनडीए में तो केवल बयानबाजी तक ही बात सीमित रही है, जबकि विपक्षी दलों के बीच विवाद बहुत गहरा गया है। विपक्षी गठबंधन की सबसे बड़ी चिंता आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के नेतृत्व को लेकर उत्पन्न हुई है। लालू यादव अपने बेटे तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बनाना चाहते हैं, और इसके लिए वे अपनी सारी ताकत झोंक रहे हैं। तेजस्वी भी अपना काम कड़ी मेहनत से कर रहे हैं, लेकिन उनके सामने सबसे बड़ी समस्या यह है कि आरजेडी के भीतर ही पार्टी के बड़े नेता उनके साथ नहीं हैं।

लालू यादव का कांग्रेस और वाम दलों के

साथ गठबंधन काफी पुराना है, और वे कई बार पार्टी के हित में कांग्रेस के पक्ष में खड़े रहे हैं। हालांकि, पिछले साल पटना में हुई इंडिया ब्लॉक की बैठक में उन्होंने राहुल गांधी के नेतृत्व को चुनौती दी और ममता बनर्जी को इस गठबंधन का नेतृत्व सौंपने पर सहमति दे दी। यह स्थिति कांग्रेस के लिए एक बड़ा झटका है, क्योंकि राहुल गांधी को पहले ही बिहार में तेजस्वी यादव द्वारा ड्राइवर की भूमिका निभाई गई थी, और अब कांग्रेस और लालू के बीच रिश्ते और भी खटास भरे हुए हैं। इस स्थिति में, राष्ट्रीय स्तर पर गठबंधन का स्वरूप भी प्रभावित हुआ है। भारत जोड़ो यात्रा के दौरान ममता बनर्जी ने कांग्रेस को किनारे कर दिया था, और अब आम आदमी पार्टी और टीएमसी भी कांग्रेस के खिलाफ सख्त रुख अपना रही हैं।

फरवरी 2024 से लेकर अब तक कई प्रमुख नेताओं ने आरजेडी को छोड़ दिया है, जिनमें अफाक करीम, बुलो मंडल, देवेंद्र प्रसाद यादव, रामबली प्रसाद चंद्रवंशी और श्याम रजक जैसे नेता शामिल हैं। अब पूर्व एमएलसी आजाद गांधी ने भी पार्टी छोड़ दी है। इसके अलावा, आरजेडी के दो विधायक चेतन आनंद और नीलम देवी ने फरवरी में तेजस्वी यादव की योजना को झटका दिया था, जब उन्होंने नीतीश कुमार के पक्ष में वोट किया था। इस स्थिति को देखते हुए, तेजस्वी की ताकत लगातार कमजोर होती जा रही है।

देश के सबसे अमीर सीएम चंद्रबाबू नायडू और सबसे गरीब हैं ममता बनर्जी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू 931 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति के साथ भारत के सबसे अमीर मुख्यमंत्री हैं, जबकि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सिर्फ 15 लाख रुपये की संपत्ति के साथ सबसे कम संपत्ति वाली मुख्यमंत्री हैं। देश के 31 मुख्यमंत्रियों की कुल संपत्ति 1,630 करोड़ रुपये है। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू 332 करोड़ रुपये से अधिक की कुल संपत्ति के साथ दूसरे सबसे अमीर मुख्यमंत्री हैं, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया 51 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति के साथ सूची में तीसरे स्थान पर हैं। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला 55 लाख रुपये की संपत्ति के साथ सूची में दूसरे सबसे गरीब मुख्यमंत्री हैं, जबकि केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन 1.18

करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ तीसरे सबसे कम संपत्ति वाले मुख्यमंत्री हैं। खांडू पर सबसे ज्यादा 180 करोड़ रुपये की देनदारी भी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सिद्धरमैया पर 23 करोड़ रुपये और नायडू पर 10 करोड़ रुपये से अधिक की देनदारियां हैं। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) द्वारा सोमवार को जारी रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रति मुख्यमंत्री की औसत संपत्ति 52.59 करोड़ रुपये है। भारत की प्रति व्यक्ति शुद्ध राष्ट्रीय आय या एनएनआई 2023-2024 के लिए लगभग 1,85,854 रुपये थी, जबकि एक मुख्यमंत्री की औसत स्व-आय 13,64,310 रुपये है, जो भारत की औसत प्रति व्यक्ति आय का लगभग 7.3 गुना है।

दूसरे के नाम पर सिम कार्ड खरीदने वालों पर सख्ती

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने किसी दूसरे के नाम पर सिम कार्ड खरीदने वालों पर सख्ती कर दी है। सरकार की ओर से ऐसे यूजर्स की एक लिस्ट तैयार की जा रही है, जिसे अपराध के दायरे में रखा जाएगा। इसके बाद अगर कोई दूसरे के दस्तावेज पर सिम कार्ड खरीदता है, तो उसके सिम कार्ड को 6 माह से लेकर 3 साल तक ब्लैकलिस्ट कर दिया जाएगा। साथ ही ऐसा करने वाले यूजर्स दोबारा कभी सिम कार्ड नहीं खरीद पाएंगे। रिपोर्ट की मानें, तो दूसरे के दस्तावेज पर सिम कार्ड खरीदने वालों को साइबर सिक्योरिटी के लिए खतरा माना जाएगा। दूससंचार विभाग की ओर से फॉड सिम कार्ड खरीदने वालों की लिस्ट बनाने की शुरुआत कर दी गई है।

साइबर सिक्योरिटी रूल्स के मुताबिक सरकार ने रिपोजिटरी ऑफ पर्सन बनाने का प्रस्ताव रखा है। सरकार की ओर से पहले व्यक्तियों को नोटिस जारी की जाएगी। इसके बाद व्यक्ति को मामले में 7 दिनों के अंदर जवाब देना होगा। सरकार की ओर से जनहित में बिना नोटिस के कार्रवाई करने का आदेश है। ऐसे में बिना पूर्व सूचना के आपके सिम कार्ड को ब्लैकलिस्ट किया जा सकता है। बता दें कि नए टेलिकॉम एक्ट में साइबर सिक्योरिटी रूल्स को नोटिफाई कर दिया गया है। इसी साल नवंबर में नए नियम को जोड़ा गया गया है। देश में डिजिटल अरेस्ट के मामले में तेज ग्रोथ दर्ज की गई है। गृह मंत्रालय की डिजिटल अरेस्ट के मामले में एक्शन के मूड में आ चुका है। मंत्रालय ने आम लोगों को फॉड से बचाने की सलाह दी है।

साथ ही सरकार की ओर से मोबाइल कॉलर टोन की मदद से अलर्ट नोटिफिकेशन दिया जा रहा है, जिससे देश में लोगों को डिजिटल अरेस्ट जैसे मामले से बचाया जा सके। दरअसल देश में कई लोग आपको सीबीआई या किसी अन्य सरकारी अधिकारी बनकर कॉल करते हैं। इसके बाद आपको किसी में मामले में फंसने और फिर उससे बचाने के बदले में मोटी रकम ले लेते हैं। बता दें कि केंद्र सरकार फर्जी सिम कार्ड के मामले में एक्शन के मूड में आ चुकी है। सरकार की ओर से इस मामले में टेलिकॉम कंपनियों जैसे जियो, एयरटेल, वोडाफोन-आइडिया और बीएसएनएल के पेंच कसने की शुरुआत हो चुकी है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

डरपोक निकली पाकिस्तानी सेना : मिलिट्री बेस छोड़ भागी, जश्न मनाते दिखे तालिबानी लड़ाके

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की सेना कितनी बहादुर है इसकी पोल उस वक्त खुल गई जब तालिबानी लड़ाकों के आगे पाकिस्तानी सेना मिलिट्री बेस कैंप छोड़कर भाग गई। तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए खैबर पख्तूनख्वा के बाजौर जिले में पाकिस्तानी सेना की एक चौकी पर कब्जा कर लिया। इस घटना ने पाकिस्तान को गहरा झटका दिया है। तालिबानी लड़ाकों ने पोस्ट से पाकिस्तान का झंडा हटाकर टीटीपी का झंडा लहरा दिया और सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में उन्हें हथियारों के साथ जश्न मनाते देखा गया। इस हमले में हुई भारी गोलाबारी के कारण 19 से अधिक लोगों के मारे जाने की खबर है। पाकिस्तानी सेना के इस पोस्ट पर कब्जे को सीमा पर बढ़ते तनाव का नतीजा माना जा रहा है। अफगानिस्तान के साथ पिछले कुछ दिनों से जारी संघर्ष और इस घटना ने क्षेत्रीय स्थिति को और जटिल बना दिया है। तालिबान के रक्षा मंत्रालय ने भी 28 दिसंबर को बयान जारी कर पाकिस्तान के खिलाफ अपनी सैन्य कार्रवाई की पुष्टि की। मंत्रालय के मुताबिक, अफगानिस्तान पर हालिया हवाई हमलों के जवाब में उसकी सेनाओं ने पाकिस्तान के कई ठिकानों को निशाना बनाया। तालिबान समर्थक मीडिया संगठन ने बताया कि इन हमलों में 19 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए, जबकि तीन अफगान नागरिक भी हिंसा का शिकार हुए। यह झड़प तब शुरू हुई जब 23 दिसंबर को पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के पूर्वी पाक्तिका प्रांत में तालिबानी विद्रोहियों के एक ट्रेनिंग सेंटर को नष्ट करने का दावा किया। इस अभियान में कई लोगों की मौत हुई, जिनमें अधिकतर महिलाएं और बच्चे शामिल थे। पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा पर बढ़ते तनाव और हिंसा ने दोनों देशों के बीच स्थिति को और गंभीर बना दिया है।

चीनी बुलेट ट्रेन की स्पीड इतनी कि, 1 घंटे में दिल्ली से लखनऊ पहुंचा दे

बीजिंग। चीन ने नई हाई-स्पीड बुलेट ट्रेन का अपडेटेड मॉडल लॉन्च किया है। इसकी स्पीड इतनी है कि एक घंटे में लखनऊ से दिल्ली पहुंचा जा सकता है इस ट्रेन को कंपनी ने दुनिया की सबसे तेज बुलेट ट्रेन बताया है। टेस्ट के दौरान 450 किमी प्रति घंटे की रफ्तार हासिल की। चीन स्टेट रेलवे ग्रुप कंपनी (चाइना रेलवे) के मुताबिक, इस नए मॉडल का नाम सीआर 450 प्रोटोटाइप रखा गया है। यह ट्रेन यात्रा के समय को और कम करने और देश के लोगों को बेहतर कनेक्टिविटी देने में मदद करेगी। इस ट्रेन ने न केवल स्पीड, बल्कि ऊर्जा खपत, अंदर के शोर और ब्रेकिंग डिस्टेंस जैसे कई मामलों में अंतरराष्ट्रीय स्टैंडर्ड स्थापित किए हैं। बात करें भारत की तो अभी हमारे देश में सबसे तेज चलने वाली ट्रेन वंदे भारत है जो कुछ ट्रैक पर 160 केएमपीएच की रफ्तार से चलती है। वैसे भारत सरकार लगातार ट्रैक को मजबूत करते हुए ट्रेन की रफ्तार बढ़ाने की कोशिश कर रही है। अगर भविष्य में चीन की सबसे तेज बुलेट ट्रेन सीआर 450 भारत में चले तो यह यात्रा को सुपरफास्ट बना सकती है। ऐसे में अगर आप दिल्ली से लखनऊ जा रहे हैं तो इस ट्रेन में आपको केवल 1 घंटे 4 मिनट ही लगेंगे। अभी लखनऊ से दिल्ली आने में भारत की सबसे तेज ट्रेन वंदे भारत करीब 6 घंटे 20 मिनट लेती है। चीन में अभी 47,000 किलोमीटर हाई-स्पीड रेल ट्रैक का नेटवर्क है, जो देश के प्रमुख शहरों को जोड़ता है। हालांकि, यह नेटवर्क मुनाफे में नहीं है लेकिन सरकार का कहना है कि इसने आर्थिक और सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, बीजिंग-शंघाई ट्रेन सेवा सबसे ज्यादा मुनाफा कमाने वाली है जबकि अन्य रूट्स पर यह लाभकारी साबित नहीं हुई है।

भारतीय नर्स की फांसी को मंजूरी

सना। यमन में कैद भारतीय नर्स निमिषा प्रिया को मिली मौत की सजा की भारतीय विदेश मंत्रालय ने पुष्टि की है। यमन के राष्ट्रपति ने मौत की सजा को मंजूरी दे दी है। हालांकि विदेश मंत्रालय ने आश्वासन दिया है कि सरकार इस मामले में हर संभव मदद मुहैया करा रही है। इसकी जानकारी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने दी है। केरल की रहने वाली निमिषा पर यमन के एक नागरिक तलाल अब्दो महदी की हत्या का आरोप है। निमिषा ने 2017 में महदी को ड्रग का ओवरडोज देकर मार दिया था। निमिषा और महदी यमन में एक प्राइवेट क्लिनिक में पार्टनर थे। आरोप है कि महदी ने निमिषा का पासपोर्ट कब्जे में ले रखा था और उसे प्रताड़ित करता था।

पूर्व राष्ट्रपति के खिलाफ अरेस्ट वारंट

सियोल। साउथ कोरिया में पद से हटाए गए राष्ट्रपति योन सुक योल के खिलाफ मंगलवार को सियोल की एक कोर्ट ने अरेस्ट वारंट जारी कर दिया है। यून को मॉर्शल लॉ लागू करने की नाकामयाब कोशिश के बाद 14 दिसंबर को महाभियोग लाकर पद से हटा दिया गया है। ऐसा देश में पहली बार हो रहा है जब किसी मौजूदा राष्ट्रपति के खिलाफ अरेस्ट वारंट जारी किया गया है। सियोल की जिला अदालत ने करप्शन इंवेस्टिगेशन ऑफिस के सीनियर अधिकारियों के इसके लिए निर्देश दिए हैं। इसके अलावा उनके राष्ट्रपति आवास की तालाशी लेने के लिए भी आदेश दिए गए हैं। यून ने 4 दिसंबर को देर रात देश में इमरजेंसी (मार्शल लॉ) लागू करने की घोषणा की थी।

पाकिस्तान बना रहा देश का सबसे बड़ा न्यूक्लियर प्लांट

-1200 मेगावाट तक होगी क्षमता, चीन की मदद से डिजाइन तैयार

कराची। पाकिस्तान बिजली उत्पादन बढ़ाने के लिए अब तक का अपना सबसे बड़ा न्यूक्लियर पावर प्लांट बनाने जा रहा है। इसके लिए पाकिस्तान की परमाणु ऊर्जा नियामक एजेंसी ने देश में बिजली उत्पादन के लिए इसकी मंजूरी दे दी है। इस प्लांट की डिजाइन चीन की कंपनी हुआलोंग ने की है। पाकिस्तान परमाणु नियामक प्राधिकरण (पीएनआरए) ने बयान जारी कर कहा है कि पीएनआरए ने चश्मा परमाणु ऊर्जा संयंत्र इकाई पांच (सी-5) के निर्माण के लिए लाइसेंस जारी किया है, जो 1,200 मेगावाट क्षमता के साथ परमाणु ऊर्जा के जरिए बिजली उत्पादन करने वाला सबसे बड़ा प्लांट होगा। सी-5 तीसरी पीढ़ी का एडवांस प्रेशराइज्ड वॉटर रिएक्टर है। इसे बनाने में करीब 3.7 अरब अमेरिकी डॉलर खर्च किया जाएगा। इसके लिए पाकिस्तान की राष्ट्रीय आर्थिक परिषद की कार्यकारी समिति ने पहले ही मंजूरी दे दी है। इसमें डबल-शेल कंटेनमेंट और रिएक्टर-फिल्टर वेंटिंग सिस्टम शामिल हैं। ये प्लांट 60 साल तक अपनी सेवाएं देगा। पाकिस्तान में इस डिजाइन का तीसरा न्यूक्लियर पावर प्लांट है। इसके अलावा दो अन्य प्लांट कराची परमाणु ऊर्जा संयंत्र यूनिट 2 और 3, पहले से ही काम कर रहे हैं।

न्यूक्लियर सेफ्टी से जुड़े डॉक्यूमेंट की हुई जांच

रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान परमाणु ऊर्जा आयोग ने इस साल अप्रैल में लाइसेंस के लिए आवेदन किया था और उसने इसके साथ ही प्रारंभिक सुरक्षा आकलन रिपोर्ट और परमाणु सुरक्षा, रेडिएशन प्रोटेक्शन, इमरजेंसी की तैयारी, वेस्ट मैनेजमेंट से जुड़े परिचालन संबंधी पहलुओं और डिजाइन के बारे में कई डॉक्यूमेंट्स भेजे थे। पाकिस्तान में अभी टोटल न्यूक्लियर पावर कैपेसिटी करीब 3500 मेगावाट है जो देश के कुल पावर प्रोडक्शन का लगभग 27 प्रतिशत है। पाकिस्तान के पास कराची-3 नाम का न्यूक्लियर प्लांट भी है जिसकी क्षमता करीब 1000 मेगावाट है।

सियोल में राष्ट्रपति यून सुक के खिलाफ जांच के लिए जारी गिरफ्तारी वारंट का विरोध करते हुए लोगों में पोस्टर लेकर शामिल एक महिला।

चीन के हैकर्स ने अमेरिका के ट्रेजरी विभाग में लगाई सेंध, उड़ाए गोपनीय दस्तावेज

वॉशिंगटन। चीन के हैकर्स ने अमेरिका के ट्रेजरी डिपार्टमेंट के सिस्टम्स में सेंध लगाकर कई अहम दस्तावेज उड़ा लिए हैं। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक चाइनीज स्पॉन्सर्ड हैकर ने एम्प्लॉयी वर्कस्टेशन और गोपनीय दस्तावेजों को हैक कर लिया। ट्रेजरी विभाग ने एक पत्र लिखकर सांसदों को

इसकी जानकारी दी है। विभाग ने इस बड़ी घटना बताते हुए कहा कि इस मामले की जांच के लिए एफबीआई और दूसरी एजेंसियों की मदद ली जा रही है। वॉशिंगटन में चीनी दूतावास के एक प्रवक्ता ने कहा कि उनके देश पर लगाए जा रहे आरोप निराधार हैं और अमेरिका के पास इसका कोई सबूत नहीं है। ट्रेजरी विभाग ने सांसदों को लिखी चिट्ठी में कहा है कि चीनी हैकर ने एक थर्ड पार्टी सर्विस प्रोवाइडर द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली एक की के जरिए सिक्योरिटी ब्रीच की है। यह सर्विस प्रोवाइडर कर्मचारियों को रिमोट टेक्निकल सपोर्ट मुहैया करता है। ट्रेजरी विभाग में इस बात का खुलासा नहीं किया कि हैकर्स ने किस तरह की फाइलों को उड़ाया है। चीनी हैकिंग के असर का पता लगाने के लिए ट्रेजरी विभाग एफबीआई के साथ-साथ साइबरसिक्योरिटी एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर सिक्योरिटी एजेंसी और थर्ड पार्टी फोरेंसिक इनवेस्टिगेटर्स के साथ भी काम कर रहा है। ट्रेजरी विभाग को 8 दिसंबर को बताया गया था कि 2 दिसंबर को कुछ संदिग्ध गतिविधि देखी गई थी। लेकिन कंपनी को यह तय करने में तीन दिन लग गए कि यह हैकिंग थी।

कितनी खतरनाक साबित हो सकती है बर्ड स्ट्राइक

लंदन (एजेंसी)। एरोप्लेन के साथ बर्ड स्ट्राइक क्या होती है और कितनी खतरनाक साबित हो सकती है। आइए, इस बारे में आज जानकारी देते हैं। दरअसल विमान से जब पक्षियों की टक्कर होती है तो इसे बर्ड स्ट्राइक कहते हैं। यह विमान सुरक्षा के लिए सबसे सामान्य लेकिन गंभीर खतरों में से एक है। बर्ड स्ट्राइक ज्यादातर टेक-ऑफ और लैंडिंग के दौरान ही होती है। हालांकि, हर बर्ड स्ट्राइक घातक नहीं होती। लेकिन कुछ मामलों में यह बड़े हादसों का कारण बन सकती है। जब पक्षी विमान के ढांचे से टकराते हैं तो आमतौर पर यह गंभीर समस्या नहीं होती। लेकिन अगर पक्षी विमान के इंजन में घुस जाएं तो यह इंजन को क्षतिग्रस्त कर सकता है। जिससे थ्रस्ट (गति) की कमी और कंट्रोल में कठिनाई हो सकती है। इंजन में पक्षियों के फंसने से इंजन की फैन ब्लेड्स को भारी नुकसान हो सकता है। इससे इंजन फेल हो सकता है। ऐसी स्थिति में पायलट आमतौर पर विमान को नजदीकी एयरपोर्ट पर उतारने की कोशिश करते हैं।

अमेरिका में 2009 में बर्ड स्ट्राइक का बड़ा मामला सामने आया था। उस वक्त न्यूयॉर्क से उड़ान भरने के कुछ ही मिनटों बाद यूएस एयरवेज की फ्लाइट 1549 के दोनों इंजन पक्षियों के झुंड से टकराने के कारण फेल हो गए। कैप्टन चेस्ली सुलनबर्गर ने विमान को हडसन नदी में

सुरक्षित लैंड कराया और सभी 155 यात्री बच गए। छोटे विमानों को बर्ड स्ट्राइक से ज्यादा नुकसान पहुंचता है। हालांकि, बड़े यात्री विमान जैसे बोइंग 737 और एयरबस ए320 एक इंजन के सहारे भी सुरक्षित लैंडिंग करने में सक्षम होते हैं। लेकिन टेक-ऑफ और लैंडिंग जैसे महत्वपूर्ण चरणों के दौरान बर्ड स्ट्राइक पायलट का ध्यान भटका सकती है। जिससे हादसे की संभावना बढ़ जाती है। एयरपोर्ट के आसपास पक्षियों की मौजदूगी बर्ड स्ट्राइक की सबसे बड़ी वजह है। मानसून के दौरान पानी के जमाव और कीड़ों की बढ़ती संख्या पक्षियों को इन इलाकों में आकर्षित करती है। इसके अलावा एयरपोर्ट के पास कूड़े के ढेर या लैंडफिल साइट्स भी पक्षियों की गतिविधि को बढ़ा सकते हैं। 2019 में अहमदाबाद एयरपोर्ट पर हर 10,000 उड़ानों में 11 वाइल्डलाइफ स्ट्राइक की घटनाएं हुईं। इसका एक बड़ा कारण कूड़े के ढेर को हटाने के बाद पक्षियों का बेतरतीब उड़ान भरना था। भारत में नागरिक उड्डयन मंत्रालय और डीजीसीए ने वाइल्डलाइफ स्ट्राइक को प्राथमिकता दी है। एयरपोर्ट के आसपास पक्षियों और जानवरों की उपस्थिति को कम करने के लिए नियमित निरीक्षण किए जाते हैं। आधुनिक जेटलाइनर में टर्बोफैन इंजन होते हैं। जिनमें पक्षियों के टकराने से गंभीर क्षति हो सकती है। इंजन निर्माता इसकी सुरक्षा जांच के लिए तेज गति से चल रहे इंजन पर जमी हुई मुर्गी को फायर करके परीक्षण करते हैं। दक्षिण कोरिया में हुए प्लेन क्रैशन ने फिर से विमान सुरक्षा में बर्ड स्ट्राइक की गंभीरता को उजागर किया है। बता दें कि दक्षिण कोरिया के भयानक प्लेन क्रैश में 170 से अधिक लोगों की जान चली गई। यह हादसा मुआन इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उस वक्त हुआ जब विमान लैंडिंग करते समय रनवे से फिसलकर दीवार से टकरा गया। देखते ही देखते पूरा विमान आग की लपटों में घिर गया। मुआन फायर स्टेशन के प्रमुख ली जियोंग-ह्योन ने क्रैश के कारणों के बारे में पूछे जाने पर कहा कि विमान पर चिड़ियों की टक्कर (बर्ड स्ट्राइक) भी इस हादसे का संभावित कारण हो सकती है।

शपथ लेने से पहले ट्रंप को झटका, यौन शोषण मामले में कोर्ट ने नहीं दी राहत

-कोर्ट ने अपील की खारिज, 50 लाख अमेरिकी डॉलर के हर्जाने को रखा बरकरार

वॉशिंगटन, (एजेंसी)। अमेरिकी की अपीलीय अदालत ने नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को यौन शोषण मामले में राहत देने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने ट्रंप की अपील को खारिज करते हुए फैसले को बरकरार रखा है, जिसमें ट्रंप को लेखिका कैरोल के यौन शोषण और मानहानि के लिए 5 मिलियन डॉलर देने का आदेश दिया गया था। यह मामला 1996 में मैनहट्टन के डिपार्टमेंटल स्टोर में हुई घटना से जुड़ा है।

जूरी ने पिछले साल मुकदमे के बाद ट्रंप को दोषी माना था और आदेश दिया था। इसके खिलाफ ट्रंप ने अपील की थी लेकिन उनकी अर्जी अब खारिज कर दी गई है। ट्रंप के खिलाफ ये फैसला ऐसे समय आया है, जब वह दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति पद की शपथ लेने वाले हैं। अमेरिकी सर्किट अपीली अदालत ने फैसले में जीन कैरोल के मानहानि और यौन शोषण के लिए मैनहटन के जूरी की ओर से ट्रंप पर लगाए गए 50 लाख अमेरिकी डॉलर के हर्जाने को बरकरार रखा है।

कैरोल ने 2023 के एक मुकदमे में गवाही दी थी कि 1996 में एक दोस्ताना मुलाकात में ट्रंप ने उनका यौन शोषण किया था, जब वे अचानक स्टोर के ड्रेसिंग रूम में घुस गए थे। डोनाल्ड ट्रंप ने इस बात से इनकार किया कि इस तरह की कोई घटना हुई, लेकिन अदालत से लगातार उन्हें झटके लग रहे हैं। कैरोल, एक पत्रिका की स्तंभकार रही है। उनके यौन शोषण के लिए ट्रंप को 2 मिलियन डॉलर और मानहानि के लिए 3 मिलियन डॉलर का भुगतान करने का आदेश अदालत ने दिया है।

ट्रंप के प्रवक्ता ने कहा कि यौन शोषण और मानहानि के मामले में 5 मिलियन डॉलर के हर्जाने के खिलाफ आगे अपील करेंगे। चेउंग ने एक बयान में कहा कि अमेरिकी लोगों ने भारी बहुमत से राष्ट्रपति ट्रम्प को फिर चुना है। वे हमारी न्याय प्रणाली के राजनीतिक हथियारीकरण को तत्काल खत्म और सभी विच हंट्स को तुरंत खारिज करने की मांग करते हैं।

सीरिया में पूर्व शासन के अवशेष के खिलाफ हवाई हमले तेज

दमिष्क। युदधग्रस्त सीरिया के सैन्य बलों ने पूर्व शासन के अवशेष के खिलाफ हवाई हमले तेज कर दिए हैं। एक बयान का हवाला देते हुए बताया कि हेलीकॉप्टर ग्रामीण लताकिया में इस्तामो एयरफील्ड से उड़ान भर रहे हैं, जो तटीय ग्रामीण इलाकों में अभी भी सक्रिय सशस्त्र तत्वों को निशाना बना रहे हैं, जिसमें उपयोग में आने वाले हेलीकॉप्टरों की संख्या या ऑपरेशन के दायरे के बारे में विस्तार से नहीं बताया गया है। अंतरिम प्रशासन पूर्व शासन के अवशेष असद सरकार के लिए लड़ रहे सशस्त्र लड़ाकों को कह रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार, यह तैनाती राष्ट्रीय स्तर पर सुरक्षा उपायों की एक श्रृंखला के तहत की गई है, जिसका उद्देश्य नए नेतृत्व की सत्ता को मजबूत करना है। शनिवार को सीरिया के नवनियुक्त खुफिया प्रमुख अनस खत्ताब ने एक आधिकारिक बयान में देश की सुरक्षा व्यवस्था को हमारे लोगों की बलिदानों और लंबी धरोहर के अनुरूप पुनर्गठित करने का वादा किया। खत्ताब ने कहा कि सीरिया की सभी मौजूदा सुरक्षा शाखाओं को खत्म कर दिया जाएगा और उनका पुनर्गठन किया जाएगा। हालांकि, उन्होंने इस पुनर्गठन के लिए कोई समयसीमा या विशिष्ट विवरण प्रदान नहीं किया। खत्ताब की ओर से यह घोषणा ऐसे समय में की गई है जब सीरिया 8 दिसंबर को पिछली सरकार के पतन के बाद एक संवेदनशील राजनीतिक परिवर्तन से गुजर रहा है। हयात तहरीर अल-शाम के नेतृत्व में एक सैन्य गठबंधन ने 27 नवंबर को उत्तरी सीरिया से एक बड़े सैन्य अभियान की शुरुआत की। इसने दक्षिण की ओर बढ़ते हुए राजधानी दमिश्क पर कब्जा किया और 12 दिनों के भीतर पूर्व सीरियाई राष्ट्रपति बशर अल-असद की सरकार को उखाड़ फेंका। सीरियाई सूचना मंत्रालय ने सीरियाई लोगों के बीच विभाजन फैलाने के उद्देश्य से सांप्रदायिक लहजे वाली किसी भी मीडिया सामग्री या समाचार के प्रसार या प्रकाशन पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की। सीरियाई गृहयुद्ध ने सांप्रदायिक रूप लिया क्योंकि असद ने मध्य पूर्व से शिया मिलिशिया को अपने यहां पैर जमाने की खुली छूट दी। मीडिया ने बताया कि पुलिस ने हिंसक प्रदर्शन के बाद बुधवार रात कर्फ्यू लगा दिया। स्थानीय लोगों के अनुसार प्रदर्शन में अलावी और शिया धार्मिक समुदायों के सदस्य शामिल थे।

तालिबान का नया फरमान, अफगानिस्तान में अब घरों में नहीं होंगी खिड़कियां

-सर्वोच्च नेता का आदेश- महिलाओं को देखने से हो सकती अश्लील हरकतें

काबुल (एजेंसी)। अफगानिस्तान में महिलाओं के हालात जस के तस बने हुए हैं। लोगों का आस थी कि यहां हालात बदलेंगे और महिलाओं को उनके अधिकारी मिलेंगे लेकिन अब महिलाओं के खिलाफ एक नया कानून बना दिया गया है। नए कानून में घरों में खिड़कियां नहीं होनी चाहिए। महिलाएं बाहर न देखें इस लिए यह कानून बनाया है। तालिबान सरकार के सर्वोच्च नेता ने यह आदेश जारी किया है। इसमें कहा गया है कि महिलाओं की झलक मिलने से अश्लील हरकतें हो सकती हैं। तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्ला मुजाहिद ने एक्स पर पोस्ट कहा कि नई इमारतों में ऐसी खिड़कियां नहीं होनी चाहिए। उन्होंने लिखा कि महिलाओं को किचन में काम करते हुए, बरामदे में आते-जाते या कुएं से पानी लेते हुए देखने से अश्लील हरकतें हो सकती हैं। तालिबान सरकार के मुताबिक म्यूनिसिपल अधिकारी और अन्य संबंधित विभाग नए बन रहे घरों पर नजर रखेंगे। उन्हें यह ध्यान रखना होगा कि इन घरों में पड़ासियों के घर की तरफ खिड़की या झरोखा न खुला हो। अगर किसी घर में पहले से पड़ोसी के घर की तरफ खिड़की खुली है तो इसके लिए उसे इंतजाम करने होंगे। मकान मालिक को या तो खिड़की तरफ दीवार बनानी होगी या फिर कुछ ऐसा इंतजाम करना होगा, जिससे पड़ोसी उस जगह से घर में न देख सके। न तो महिलाओं को बाहर से कोई देख पाए और न ही वो किसी बाहरी आदमी को देख पाएं। गौरतलब है कि अगस्त 2021 में सत्ता में आने के बाद से ही तालिबान सरकार महिलाओं के अधिकारों पर प्रतिबंध लगा रही है।

भारत पर लगा मुइज्जू को हटाने की साजिश का आरोप, नशीद ने किया बचाव

पूर्व राष्ट्रपति ने कहा- भारत हमेशा मालदीव के लोकतंत्र का समर्थक रहा है

माले (एजेंसी)। अमेरिकी में एक अखबार की रिपोर्ट में दावा किया गया है मालदीव की विपक्षी मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी (एमडीपी) के नेताओं ने राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू को हटाने की साजिश के लिए भारत से 6 मिलियन डॉलर की मदद मांगी थी। रिपोर्ट के मुताबिक कथित तौर पर भारत की खुफिया एजेंसी रॉ का एक एजेंट मालदीव के विपक्षी नेताओं के संपर्क में था ताकि मुइज्जू के राष्ट्रपति बनने के कुछ ही महीनों बाद उन्हें सत्ता से हटाया जा सके। इन आरोपों पर मालदीव के पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद नशीद ने भारत के समर्थन में आ गए हैं।

मोहम्मद नशीद ने कहा कि भारत हमेशा मालदीव के लोकतंत्र का समर्थक रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक डेमोक्रेटिक रिन्युअल इनिशिएटिव नामक एक आंतरिक दस्तावेज में विपक्षी नेताओं ने 40 सांसदों को रिश्वत देने का प्रस्ताव रखा था, जिसमें मुइज्जू की पार्टी पीपल्स नेशनल कांग्रेस के सदस्य भी शामिल थे, ताकि उनके खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पारित किया जा सके। रिपोर्ट में कहा गया है कि विभिन्न पार्टियों को भुगतान करने के लिए साजिशकर्ताओं ने 6 मिलियन डॉलर की मांग की जो भारत से जुटाए जाने की बात कही गई।

रिपोर्ट में दावे के मुताबिक अमेरिका में भारतीय दूतावास में रॉ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पूर्व आईपीएस अधिकारी ने शिरीष थोरेट और पत्रकार-राजनेता सवियो रोड्रिग्स के साथ मिलकर मुइज्जू को हटाने की चर्चा की। रिपोर्ट के मुताबिक थोरेट और रोड्रिग्स ने योजना की पुष्टि की, लेकिन यह नहीं बताया कि वे भारत सरकार की ओर से काम कर रहे थे या नहीं। भारत की तरफ से इसपर कोई टिप्पणी नहीं आई है।

मालदीव के पूर्व राष्ट्रपति ने एक्स पर पोस्ट में लिखा- मुझे राष्ट्रपति के खिलाफ किसी गंभीर साजिश की जानकारी नहीं थी; हालांकि कुछ लोग हमेशा षड्यंत्र की दुनिया में जीते हैं। भारत कभी भी ऐसे कदम का समर्थन नहीं करेगा, क्योंकि वे हमेशा मालदीव के लोकतंत्र का समर्थन करता है। भारत ने कभी भी हम पर शर्तें नहीं थोपी है।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जिमी कार्टर का 9 जनवरी को डीसी में होगा अंतिम संस्कार

-ट्रंप ने कहा-कार्टर ने जिन चुनौतियों का सामना किया, वह देश के लिए अहम समय था

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जिमी कार्टर का अंतिम संस्कार 9 जनवरी को वाशिंगटन डीसी में किया जाएगा। अंतिम संस्कार का दिन राष्ट्रपति जो बाइडेन ने राष्ट्रीय शोक दिवस घोषित किया है। बाइडेन पूर्व राष्ट्रपति कार्टर के लिए एक श्रद्धांजलि भाषण दे सकते हैं। कार्टर के सम्मान में 9 जनवरी को संघीय कार्यालयों को बंद करने का आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने घोषणा की कि शोक दिवस के मौके पर 9 जनवरी को कोर्ट भी बंद रहेगा। कार्टर का रविवार को 100 साल की उम्र में निधन हो गया था।

कार्टर को सम्मानित करने वाली सेवाएं 4 जनवरी से शुरू होंगी। इसमें जॉर्जिया में उनके बचपन के घर और पारिवारिक फार्म पर पार्थिव देह ले जाई जाएगी। फिर जॉर्जिया स्टेट कैपिटल में रखा जाएगा। वाशिंगटन, डीसी जाने से पहले, कार्टर का शव 7 जनवरी तक अटलांटा के कार्टर प्रेसिडेंशियल सेंटर में रखा जाएगा। इसके बाद उनके पार्थिव शरीर यूएस नेवी मेमोरियल और फिर यूएस कैपिटल ले जाया जाएगा। कैपिटल पहुंचने पर 7 जनवरी को कांग्रेस के सदस्य दिवंगत राष्ट्रपति को श्रद्धांजलि देंगे। राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई 9 जनवरी को सुबह 10 बजे नेशनल कैथेड्रल में दी जाएगी।

सांसदों ने एक संयुक्त बयान में कह कि राष्ट्र के प्रति राष्ट्रपति कार्टर की लंबी और विशिष्ट सेवा को सम्मानित करते हुए उनके अवशेषों को संयुक्त राज्य कैपिटल के रोटुंडा में रखा जाए ताकि अमेरिकी जनता को भी राष्ट्रपति कार्टर को अंतिम विदाई देने का मौका मिल सके। रविवार को ट्रुथ सोशल पर अमेरिका के नव निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी कार्टर को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए लिखा- राष्ट्रपति के रूप में जिमी कार्टर ने जिन चुनौतियों का सामना किया, वह हमारे देश के लिए एक अहम समय था और उन्होंने लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए कोशिश की। उन्होंने हमेशा अमेरिकियों के लिए काम किया। ट्रंप ने कहा कि इसलिए हम सभी उनके आभारी हैं।

कार्टर को 2002 में उनके वैश्विक मानवाधिकार कार्यों के लिए नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया था, जिसमें अंतर्राष्ट्रीय संघर्षों के शांतिपूर्ण समाधान के लिए उनके दशकों तक किए गए कठिन प्रयास भी शामिल थे। कार्टर ने 1982 में अपनी पत्नी के साथ कार्टर सेंटर की स्थापना की और

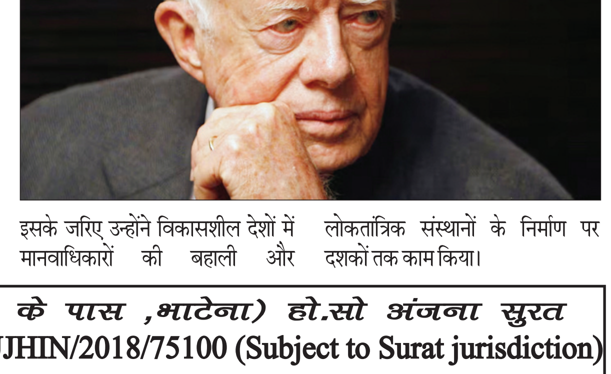

इसके जरिए उन्होंने विकासशील देशों में मानवाधिकारों की बहाली और लोकतांत्रिक संस्थानों के निर्माण पर दशकों तक काम किया।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास, भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत में तीन और फर्जी डॉक्टर पकड़े गए

रसैश गुजराती से फर्जी सर्टिफिकेट लेकर खटोदरा में कर रहे थे प्रैक्टिस,50 हजार रुपए में सर्टिफिकेट खरीदा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में फर्जी डॉक्टरों के खिलाफ कार्रवाई जारी है। हाल ही में खटोदरा इलाके में तीन फर्जी डॉक्टर पकड़े गए, जो बिना किसी मेडिकल डिग्री के प्रैक्टिस कर रहे थे। ये लोग रसैश गुजराती नामक व्यक्ति से 50,000 रुपये देकर फर्जी मेडिकल सर्टिफिकेट खरीदकर मरीजों का इलाज कर रहे थे।

पुलिस की जांच में पता चला कि इन फर्जी डॉक्टरों ने न केवल मरीजों को धोखा दिया बल्कि उनकी जान को भी खतरे में डाला। अब पुलिस रसैश गुजराती की तलाश कर रही है, जिसने कई अन्य फर्जी डॉक्टरों को भी ऐसे सर्टिफिकेट दिए हैं।

सूरत शहर के खटोदरा इलाके में फर्जी मेडिकल सर्टिफिकेट के आधार पर झोलाछाप डॉक्टरों द्वारा अवैध मेडिकल प्रैक्टिस की जा रही थी। पुलिस की जांच में और फर्जी डॉक्टरों के नाम सामने आए हैं, जिनकी गिरफ्तारी खटोदरा पुलिस ने की है।

आरोपी डॉक्टरों ने बताया कि उन्होंने ये सर्टिफिकेट फर्जी डॉक्टर डिग्री घोटाले के मास्टरमाइंड रसैश गुजराती से लिए थे, जिसके लिए उन्होंने 50,000 रुपये दिए थे। रसैश गुजराती ने जितने लोगों को सर्टिफिकेट देकर डॉक्टर बनाया था, अब उनके खिलाफ कार्रवाई शुरू हो गई है।

रसैश गुजराती द्वारा बनाए गए तीन फर्जी डॉक्टरों की गिरफ्तारी सूरत खटोदरा पुलिस ने की है। खटोदरा इलाके में फर्जी मेडिकल डिग्री और सर्टिफिकेट के आधार पर अवैध रूप से प्रैक्टिस कर रहे तीन झोलाछाप डॉक्टर – यमुना प्रसाद सीतलाप्रसाद मिश्रा, कौशिक गोपाल भौमिक और डॉ. अरुणकुमार पद्माव नायक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

खटोदरा पुलिस ने इन झोलाछाप डॉक्टरों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए आजाद नगर, भटार सोमनाथ सोसाइटी और अलथाण रोड पर स्थित विभिन्न क्लीनिकों पर छापेमारी की। इनमें विनायक क्लीनिक (आजाद नगर), चक्रवर्ती क्लीनिक (भटार) और अरुणकुमार पद्माव नायक क्लीनिक (अलथाण रोड) पर छापेमारी की गई। इस दौरान फर्जी मेडिकल सर्टिफिकेट का उपयोग करते हुए मेडिकल उपकरण और दवाएं बरामद की गईं।

जांच में खुलासा हुआ है कि "बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन (B.E.M.S.)" नाम के फर्जी सर्टिफिकेट के आधार पर झोलाछाप डॉक्टर बीमार मरीजों को दवाइयां दे रहे थे। इस सर्टिफिकेट पर किसी भी सरकारी मान्यता का अभाव होने के कारण, ये सभी डॉक्टर न केवल अवैध रूप से मेडिकल प्रैक्टिस कर रहे थे, बल्कि बीमार मरीजों के स्वास्थ्य के साथ गंभीर खिलवाड़ भी कर रहे थे।

खटोदरा पुलिस ने तीन झोलाछाप डॉक्टरों में से दो को गिरफ्तार कर लिया है। उनके पास से 15,000 की कीमत का ओप्पो फोन और 22,585 के मेडिकल उपकरण जब्त किए गए हैं। इसके अलावा, फर्जी सर्टिफिकेट के लिए 50,000 तक की रकम लेने और प्रैक्टिस जारी रखने के मामले में रसैश गुजराती, बी.के. रावत और इरफान के खिलाफ भी अब दोबारा जांच की जाएगी।

इस संबंध में खटोदरा पी.आई. भावेश रबारी ने कहा, "पुलिस को इस केस में आगे और जांच करनी है, और सभी आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फर्जी सर्टिफिकेट के कारण मेडिकल क्षेत्र में की जा रही इन अवैध गतिविधियों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे। जिन डॉक्टरों के नाम इस घोटाले में सामने आए हैं, उनमें से हमारे इलाके के डॉक्टरों पर विशेष ध्यान देकर कार्रवाई की गई है।"

दारू पीने वालों की पूरी बस भर गई

सूरत के पांच पुलिस थानों के क्षेत्र में 250 से अधिक लोग शराब के नशे में पकड़े गए

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए पांच पुलिस थानों के इलाके में शराब पीकर सड़क पर घूम रहे 250 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया। इनमें से कई लोग शराब के नशे में धुत थे और पुलिस स्टेशन में लाए गए थे, जहां लंबी लाइनें लगी थीं। इस दौरान एक वीडियो भी वायरल हुआ, जिसमें एक पूरी बस में शराब पीने वाले लोग भरे हुए थे। पुलिस ने इस अभियान के तहत कई स्थानों से नशे में धुत लोगों को गिरफ्तार किया।

थर्टी फर्स्ट को ध्यान में रखते हुए, गुजरात पुलिस एक्शन मोड में दिखाई दे रही है। शराब और ड्रग्स के नशे में रहने वालों को पकड़ने के लिए सार्वजनिक सड़कों और विभिन्न क्षेत्रों में विशेष चेकिंग की जा रही है। इस सिलसिले में सूरत के जोन-4 पुलिस ने एक मुहिम शुरू की थी। जिसमें 30 दिसंबर की शाम से लेकर आज सुबह तक, शहर के 5 मुख्य पुलिस स्टेशन क्षेत्रों से 250 से ज्यादा शराब के नशे में घूम रहे लोगों को पकड़ा गया। इन सभी को अलग-अलग पुलिस स्टेशनों से बसों में भरकर पुलिस परेड ग्राउंड ले जाया गया।

10 घंटे की मुहिम में 250 से ज्यादा नशे में धुत लोग पकड़े गए: DCP

कल शाम से लेकर 31 दिसंबर की सुबह तक, जोन-4 के DCP विजयसिंह गुर्जर की अगुवाई में अलथाण, पांडेसेरा, खटोडरा, वेसु, उमरा और अठवा क्षेत्रों में शराबियों को काबू करने के लिए विशेष मुहिम चलाई गई। इस अभियान में पुलिस ने शराब के नशे में धुत व्यक्तियों को ब्रेथ एनालाइज़र मशीन के माध्यम से जांचकर पकड़ा। महज 10 घंटे की इस मुहिम में पुलिस ने 250 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया।

पुलिस ने लोगों में कानून का पालन करने और शराबबंदी के नियमों को सख्ती से लागू करने के लिए यह मुहिम चलाई है। पुलिस ने बताया कि किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधियों पर सख्त कदम उठाने के लिए पुलिस पूरी तरह से सक्रिय रहेगी।

पुलिस ने आरोपी को घटनास्थल पर ले जाकर जुलूस निकाला

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर के खटोदरा इलाके में 31 दिसंबर की पूर्व संध्या पर शराबबंदी कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ खटोदरा पुलिस ने कार्रवाई की है। पुलिस ने कपड़े के पार्सल में छिपाई गई 1,352 विदेशी शराब की बोतलें और बीयर के कैन के साथ 2,52,590 रुपये के माल पर कब्जा किया है। न्यू ईयर पार्टी के लिए कपड़े के पार्सल की आड़ में यह विदेशी शराब महाराष्ट्र से सूरत लाई गई थी। पुलिस इंस्पेक्टर बी.आर. रबारी को सूचना मिली थी कि कपड़े के पार्सल की आड़ में विदेशी शराब का स्टॉक महाराष्ट्र से सूरत लाया गया है। जानकारी के अनुसार, यह शराब पुरानी सब-जेल के पीछे बंदरिया कंपाउंड में स्थित ओम तुरंथ के गोदाम में रखी गई थी। इस सूचना पर पुलिस सर्विलांस टीम ने तुरंत कार्रवाई की।

शराब के स्टॉक को कूरियर पार्सल बॉक्स और कपड़े के बंडल में छिपाकर भेजा गया था, ताकि उस पर सीधा शक न हो। पुलिस ने रेड के दौरान गोदाम में छिपे इस स्टॉक को जब्त किया।

एसीपी जेड.आर. देसाई ने बताया कि पुलिस ने घटनास्थल से विजय खोडाभाई दसलानिया नामक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी की उम्र 29 साल है और वह खलवडगाम, कामरेज में रहता है। आरोपी के खिलाफ खटोदरा पुलिस स्टेशन में प्रोहिबिशन एक्ट की धारा 65(A) और 81 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

आरोपी विजय दसलानिया ने महाराष्ट्र के मुंबई में स्थित दो एजेंसियों के माध्यम से शराब मंगवाई थी। पुलिस ने गोदाम में जांच कर सभी सबूत एकत्र किए हैं और शराब की तस्करी के नेटवर्क के बारे में और जांच शुरू कर दी है।

मनीष और दीपक के बीच चार दिन पहले मजाक में झगड़ा हुआ था, जिसमें दीपक के हाथ की कड़ा मनीष के सिर पर लग गई थी, और यह रंजिश में बदल गया।

पांडेसरा पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को पकड़ लिया और उन्हें घटनास्थल पर ले जाकर जुलूस निकाला। दोनों आरोपी इस क्षेत्र में शातिर और दबंग प्रवृत्ति के व्यक्ति के रूप में जाने जाते हैं।

सूरत शहर को शर्मसार करने वाली एक घटना 7 साल की बच्ची से शारीरिक अत्याचार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

पुलिस ने 7 साल की बच्ची से शारीरिक अत्याचार करने वाले 19 वर्षीय आरोपी को गिरफ्तार किया है। सलाबतपुरा क्षेत्र में मासूम बच्ची के साथ शारीरिक अत्याचार करने वाला युवक मोहम्मद हुसैन को गिरफ्तार किया गया है।

घटना की शुरुआत तब हुई जब बच्ची घर के बाहर खेल रही थी। आरोपी ने उसे अकेला देख उसे अपने मकान में ले जाकर शारीरिक अत्याचार किया। इस डरावनी घटना के बाद बच्ची रोती हुई अपने घर पहुंची। बच्ची के रुआंसे चेहरे को देखकर मां हैरान रह गई। बच्ची ने अपनी मां से यह घटना बताई और तुरंत पिता को जानकारी दी। बच्ची के माता-पिता ने तुरंत सलाबतपुरा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करवाई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार किया है और अब उसकी पिछली गतिविधियों की जांच की जा रही है।

डीसीपी भगीरथ गढ़वी ने बताया कि आरोपी ने अपने घर में जाकर बच्ची के साथ शारीरिक अत्याचार किया था। इस बारे में बच्ची के माता-पिता ने पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई थी। पुलिस ने तुरंत आरोपी को गिरफ्तार किया है।

आरोपी 19 साल का है, और यह जांच की जा रही है कि क्या वह पहले भी किसी अन्य बच्ची या अन्य किसी घटना में शामिल रहा है।

पुलिस ने हत्या की जगह पर दोनों आरोपियों को ले जाकर जुलूस निकाला

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वडोद हेल्थ सेंटर के पास चार दिन पहले मजाक में हुए झगड़े की रंजिश में दो दोस्तों पर हमला कर एक को कैंची से सात-आठ वार कर मौत के घाट उतार दिया गया। इस घटना के बाद पांडेसरा पुलिस हरकत में आ गई। पुलिस ने हत्या के दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस ने हत्या की जगह पर दोनों आरोपियों को ले जाकर जुलूस निकाला।

मजाक में हुए झगड़े में कैंची से वार कर हत्या- शातिर व्यक्तियों ने मुंह, गले, पीठ और छाती पर 8 वार किए; पुलिस ने हत्या स्थल पर आरोपी का जुलूस निकाला।

आरोपियों ने अचानक दीपक पर जानलेवा हमला किया

वडोद आवास स्थित सरकारी स्कूल के पास बिल्डिंग नंबर 22 में रहने वाला दीपक रविंद्र साव (उम्र 26, मूल निवासी सैदपुरधावा, जिला अरवल, बिहार) अपने मित्र दीपक सिंह उर्फ बाटला के साथ घर के पास वडोद हेल्थ सेंटर की गली में बैठा था। तभी स्थानीय क्षेत्र के शातिर मनिष उर्फ कल्लू देवीचरण प्रजापति (उम्र 20, निवासी परसोतमनगर, वडोद और मूल निवासी कानपुर, उत्तर प्रदेश) और कृष्णा उर्फ लंबू शिवराम तिवारी (उम्र 19, निवासी सूर्यप्रकाश नगर, पांडेसरा और मूल निवासी रीवा, मध्य प्रदेश) अचानक वहां पहुंचे और दीपक पर जानलेवा हमला कर दिया।

8 बार चाकू मारकर मौत के घाट उतारा

मनीष ने कैंची से दीपक के मुंह, गले, छाती और पीठ पर 8 वार किए, जबकि दीपक सिंह को केवल थप्पड़ और मुक्कों से मारा। खून से लथपथ हालत में दीपक को तुरंत नई सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां थोड़े इलाज के बाद उसकी मौत हो गई।

पुलिस ने आरोपी को घटनास्थल पर ले जाकर जुलूस निकाला

मनीष और दीपक के बीच चार दिन पहले मजाक में झगड़ा हुआ था, जिसमें दीपक के हाथ की कड़ा मनीष के सिर पर लग गई थी, और यह रंजिश में बदल गया। पांडेसरा पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को पकड़ लिया और उन्हें घटनास्थल पर ले जाकर जुलूस निकाला। दोनों आरोपी इस क्षेत्र में शातिर और दबंग प्रवृत्ति के व्यक्ति के रूप में जाने जाते हैं।

स्मित जीयाणी नामक युवक ने अपनी पत्नी और बेटे की गला काटकर हत्या कर दी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के सरथाणा क्षेत्र अपने माता-पिता की भी गला काटकर हत्या का प्रयास किया था। फिर स्मित ने खुद को भी घायल करके आत्महत्या का प्रयास किया था। हालांकि, तीनों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया था। जहां इलाज के दौरान स्मित ने फिर से टॉयलेट में जाकर कांच से अपनी गर्दन काटकर आत्महत्या का प्रयास किया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस का दल अस्पताल पहुंच गया।पत्नी और बेटे के हत्यारे स्मित जीयाणी को पिछले चार दिनों से एक निजी अस्पताल में इलाज मिल रहा था। इस दौरान सरथाणा पुलिस ने तीन दिनों से उसका बयान लेने की कोशिश की थी।